फाल्गुन शुक्ल पक्ष- पूर्णिमा, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 238 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
03 मार्च 2026 मंगलवार

आज का मौसम
32.4 अधिकतम
15.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की खौफनाक धमकी

ईरान पर सबसे बड़ा हमला अभी बाकी

» अमेरिकी नागरिकों को तुरंत मिडिल ईस्ट छोड़ने के निर्देश

» ईरान ने रोका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का रास्ता, आग लगाने की धमकी

» अमेरिका ने सऊदी अरब में बंद किया अपना दूतावास

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग मिडिल ईस्ट में और खतरनाक होती जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद खौफ और बढ़ गया है जिसमे उन्होंने कहा है कि ईरान पर अभी सबसे बड़ा हमला बाकी हैं। इस बीच पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने सुरक्षा कारणों से सभी वीजा अपॉइंटमेंट रद्द कर दिए हैं। पाकिस्तान में मौजूद अमेरिकी एंबेसी ने कहा यह फैसला इस्लामाबाद के साथ-साथ लाहौर और कराची के दफ्तरों पर भी लागू होगा। फिलहाल यह आदेश 6 मार्च तक लागू रहेगा।

रविवार को कराची में अमेरिकी कॉन्सुलेट के बाहर प्रदर्शन हुआ था। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों की फायरिंग में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर अभी सबसे बड़ा हमला बाकी हैं। बता दें कि अब तक इस जंग में ईरान में 750 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 800 से ज्यादा घायल हुए हैं। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते को बंद करने की घोषणा की है। इसने कहा है कि इस रास्ते से गुजरने वाले किसी भी जहाज को आग लगा दी जाएगी। ओमान और ईरान के बीच से गुजरने वाले इस जलडमरूमध्य से होकर दुनिया की तेल खपत का पांचवां हिस्सा गुजरता है। इसके बंद होने से तेल की वैश्विक कीमतों पर असर पड़ सकता है। IRGC के कमांडर के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल इब्राहिम जबारी ने कहा, तेल की कीमत 81 डॉलर तक पहुंच गई है और दुनिया इसके कम से कम 200 डॉलर तक पहुंचने का इंतजार कर रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर नेवी और आर्मी में हमारे हीरो इस जलडमरूमध्य से गुजरने की इच्छा रखने वाले किसी भी जहाज को आग लगा देंगे।

सऊदी में अमेरिकी दूतावास पर अटैक

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक सऊदी अरब के रियाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला हुआ है। वहाँ धमाके की आवाज सुनी गई और धुआं उठता देखा गया। एक सऊदी अधिकारी ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने अपनी एयर डिफेंस क्षमता इजरायल की सुरक्षा के लिए मोड़ दी और खाड़ी देशों को ईरानी हमलों के सामने खुला छोड़ दिया। संघर्ष में पहली बार अमेरिकी सैनिकों की बड़ी मौत की पुष्टि हुई है। कुवैत के शुआइबा पोर्ट पर एक अस्थायी ऑपरेशन सेंटर पर ईरानी हमले में छह अमेरिकी सैनिक मारे गए। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि हमले के दौरान एक प्रोजेक्टाइल एयर डिफेंस को चकमा देकर अंदर पहुंच गया।

बहरीन में अमेरिकी बेस पर हमला

ईरानी सेना ने बहरीन में अमेरिका के शेख इसा इलाके में अमेरिकी एयर बेस पर बड़ा हमला किया है। इसमें 20 ड्रोन और 3 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। उसने दावा किया कि इस हमले में अमेरिका के मुख्य कमांड और मुख्यालय की इमारत को निशाना बनाया गया है। एक पयूल टैंकर में आग लग गई। बहरीन की ओर से इसको लेकर कोई बयान नहीं आया है। वहीं बहरीन की सड़कों पर भारी बवाल चल रहा है। शिया समर्थक जमकर हिंसा कर रहे हैं।

ट्रम्प बोले - हथियारों की कमी नहीं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान युद्ध को हमेशा के लिए लड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास हथियारों की असीमित सप्लाई है। उन्होंने यह भी कहा कि जो बाइडन ने यूक्रेन को बहुत अच्छे हथियार फ्री में दे दिए , वहीं उसे फिर से खरीदने का प्रयास नहीं किया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास हथियारों का पूरा स्टॉक है और हम जीत के लिए तैयार हैं।

अमेरिका में समर्थन घट रहा

रॉयटर्स और इप्सोस के सर्वे के अनुसार, सिर्फ चार में से एक अमेरिकी ही ईरान पर हमले का समर्थन कर रहा है। लगातार बढ़ती अमेरिकी सैनिकों की मौत से घरेलू समर्थन और घट सकता है। खुद ट्रंप ने भी चेतावनी दी है कि आगे और नुकसान हो सकता है। अमेरिका के कई शहरों में सोमवार को हजारों लोगों ने ईरान पर अमेरिका-इजरायल सैन्य कार्रवाई के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। बोस्टन, न्यूयॉर्क, शिकागो, पोर्टलैंड और मैडिसन समेत कई शहरों में लोग सड़कों पर उतरे और 'हैंड्स ऑफ ईरान' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने इन युद्धों को खतरनाक और गलत बताया।

कश्मीर में प्रदर्शन

जम्मू-कश्मीर में सोमवार को लगातार दूसरे दिन ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर विरोध प्रदर्शन हुए। श्रीनगर के बेमिना इलाके में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस भी छोड़ी। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया। शोपियां, बारामूला, बांदीपोरा में लोगों ने बाजार बंद रखा।

दुबई से आई एयर इंडिया की स्पेशल फ्लाइट

आज भी दिल्ली एयरपोर्ट पर 80 इंटरनेशनल फ्लाइट कैंसिल हैं। इसी बीच सोमवार देर रात दुबई से एअर इंडिया की स्पेशल फ्लाइट वहां फंसे यात्रियों को लेकर दिल्ली लैंड हुई। दुबई में फंसी भारतीय शटलर पीवी सिंधु भी लौटी हैं। इसके अलावा यूएई से 4 फ्लाइट दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु पहुंचीं। अबू धाबी में फंसे भारतीयों ने देश लौटकर राहत की सांस ली। एक यात्री ने बताया अबू धाबी में हमारे होटल के पास ही धमाके हुए। इंडिगो सऊदी अरब के जेद्दा से हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद के लिए 10 स्पेशल फ्लाइट उड़ाएगी। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट के लिए उड़ान शुरू कर रही है। इस बीच, अबू धाबी की एतिहाद, दुबई की एमीरात और फ्लाईदुबई ने चुनिंदा उड़ानें शुरू की हैं। अबू धाबी एयरपोर्ट से एतिहाद की 15 उड़ानें इस्लामाबाद, पेरिस, एम्सटर्डम, मुंबई, काहिरा, लंदन के लिए रवाना हुईं।

न्यूज विंडो

यू-ट्यूब पर पीएम मोदी के 30 मिलियन सब्सक्राइबर

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एक और उपलब्धि हासिल की। उन्होंने यूट्यूब पर 30 मिलियन सब्सक्राइबर का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसा करने वाले वे विश्व के पहले नेता बन गए हैं। विश्व नेताओं में, प्रधानमंत्री मोदी के यूट्यूब पर सबसे अधिक सब्सक्राइबर हैं। रैंकिंग के अनुसार, वे इस श्रेणी में अन्य सभी से काफी आगे हैं। दूसरे स्थान पर ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो हैं, जिनके सब्सक्राइबर प्रधानमंत्री मोदी के सब्सक्राइबर का लगभग एक-चौथाई ही हैं।

पीवी सिंधू भारत लौटीं, दुबई एयरपोर्ट स्टाफ का शुक्रिया

नईदिल्ली। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। पिछले कुछ दिनों से दुबई में फंसी पीवी सिंधू सही सलामत भारत लौट आई हैं। सिंधू ने एक्स पर पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। सिंधू ने कहा कि वह बैंगलोर में अपने घर वापस आ गई हैं और सुरक्षित हैं। सिंधू ने अपनी पोस्ट में लिखा- सही सलामत घर वापस आ गई हूं। पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल और अनिश्चित रहे, लेकिन अब अपने घर वापस आकर सच में सभी की शुक्रगुजार हूं।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में 'दोल पूर्णिमा' पर भगदड़

भुवनेश्वर। ओडिशा में होली से पहले दोल पूर्णिमा के पावन अवसर पर आज श्रीजगन्नाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भारी भीड़ के चलते मंदिर परिसर में अचानक भगदड़ जैसे हालात बन गए। दोल बेदी क्षेत्र के पास दर्शन के लिए जुटी भीड़ में धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कई श्रद्धालु घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर बाद श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ गई।

तालिबान का पाक पर हमला 25 चौकियों पर किया कब्जा

काबुल। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच डूरंड लाइन पर पिछले पांच दिनों से जंग जारी है। इस बीच अफगान सेना ने पाकिस्तानी वायुसेना के हवाई हमलों का कड़ा जवाब देते हुए पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए हैं। अफगान रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी है कि उनकी सेना ने 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा के पास कई जरूरी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों में काबुल से जुड़े इलाके, खोस्त का अली-शेर जिला, जलालाबाद और कंधार के सीमावर्ती क्षेत्र शामिल हैं।

कांग्रेस नेता उन्नीकृष्णन का कोझिकोड में निधन

कोझिकोड। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता केपी उन्नीकृष्णन का आज कोझिकोड के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में निधन हो गया। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने पूर्व केंद्रीय मंत्री केपी उन्नीकृष्णन के निधन पर गहरा शोक जताया है।

अवकाश की सूचना

होली के अवसर पर बुधवार 4 मार्च को दोपहर मेट्रो कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक गुरुवार 5 मार्च को प्रकाशित होगा।

- संपादक

आज का कार्टून

यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा

डबल डेकर बस और ईको वैन की टक्कर, 6 की मौत

हाथरस. एजेंसी

सादाबाद कोतवाली अंतर्गत गांव गढ़ी हरिया के निकट यमुना एक्सप्रेसवे पर तड़के करीब 4 बजे एक निजी डबल डेकर बस ने एक इको कार में पीछे से टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में इको में सवार 13 लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनमें से मौके पर छह लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए। मृतकों के शव को जिला

अस्पताल ले जाया गया है। जबकि घायलों को उपचार के लिए खंदौली थाना क्षेत्र के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक एक निजी डबल डेकर बस दिल्ली से गोरखपुर की तरफ जा रही थी तो इसी दौरान सादाबाद क्षेत्र के गांव गढ़ी हरिया के निकट यमुना एक्सप्रेसवे पर बस ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही इको में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। मौके पर कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित हो गया। इको में सवार सभी लोग दिल्ली से राजाखेड़ा राजस्थान की तरफ जा रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

कर्मचारी को दुर्घटना मुआवजा देने में देरी, नियोक्ता भरेंगे जुर्माना

नईदिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा है कि कर्मचारी मुआवजा अधिनियम के तहत दुर्घटना मुआवजा देने में देरी होने पर लगाया गया जुर्माना नियोक्ता को अपनी जेब से ही भरना होगा, भले ही मुआवजा राशि बीमा के तहत कवर क्यों न हो।

अदालत ने स्पष्ट किया कि यह कानून एक सामाजिक कल्याण कानून है, इसलिए इसकी व्याख्या कर्मचारियों के हित में उदार और उद्देश्यपूर्ण तरीके से की जानी चाहिए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अरविंद कुमार और पीबी वराले की पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई फैसलों में कर्मचारियों के पक्ष में इस कानून की उदार व्याख्या पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, मुआवजे से संबंधित धारा 4 ए (3)(बी) के तहत जुर्माने के भुगतान का दायित्व नियोक्ता पर निर्धारित किया है। यह फैसला न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी की उस याचिका पर आया है, जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि मुआवजे के भुगतान में देरी होने पर जुर्माना कंपनी को देना होगा, न कि नियोक्ता को। सर्वोच्च अदालत ने हाई कोर्ट के इस आदेश को रद्द कर दिया है।

ड्यूटी पर हो गई थी मौत : साल 2017 में नियोक्ता की गाड़ी चलाते समय एक कर्मचारी की मौत हो गई थी । श्रम आयुक्त ने 7.36 लाख रुपये मुआवजा, 12 फीसदी ब्याज और देरी के लिए 35 फीसदी यानी 2.57 लाख रुपये जुर्माना नियोक्ता पर लगाया। वाहन का वैध बीमा होने के कारण, जुर्माने को छोड़कर मुआवजे की राशि बीमा कंपनी द्वारा भुगतान की जानी थी। श्रम आयुक्त के फैसले को पलटते हुए दिल्ली कोर्ट ने कहा कि जुर्माने की राशि भी बीमा कंपनी द्वारा ही अदा की जानी थी, न कि नियोक्ता द्वारा।

मिडिल ईस्ट के देशों में सीबीएसई की 10वीं-12वीं की परीक्षा स्थगित

नईदिल्ली. एजेंसी

जंग की वजह से सीबीएसई ने मिडिल ईस्ट के देशों में 5 और 6 मार्च को होने वाली होने वाली 10वीं और 12वीं क्लास की बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। एक सर्कुलर जारी किया गया है, जिसमें खाड़ी के उन सभी देशों के स्कूलों को संबोधित किया है, जो बोर्ड की तरफ से मान्यता प्राप्त हैं। इसमें कहा गया है कि बोर्ड एग्जाम पोस्टपोन किए जा रहे हैं और नई तारीखों का जल्द ही ऐलान किया जाएगा। बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात वो 7 देश हैं, जहां बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूल ऑपरेट कर रहे हैं। इनमें ज्यादातर खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों के बच्चे पढ़ाई करते हैं। सर्कुलर में आगे कहा गया, बोर्ड की तरफ से 5 मार्च को एक बार फिर से मौजूदा हालात की समीक्षा की जाएगी और फिर उसके हिसाब से 7 मार्च से होने वाली परीक्षाओं के संबंध में फैसला लिया जाएगा।

टेक्सास में भारतीय मूल की छात्रा की गोलीबारी में मौत

वाशिंगटन. एजेंसी

अमेरिका के टेक्सास राज्य की राजधानी ऑस्टिन में तड़के हुई गोलीबारी में भारतीय मूल की 21 वर्षीय छात्रा सविता शान समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं 14 अन्य घायल हो गए। हमलावर नडियागा डियाग्ने, जो सेनेगल मूल का अप्रवासी था, ने शहर के एक बीयर गार्डन के बाहर अपनी कार खड़ी की और आंगन में बैठे लोगों पर पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद वह कार से बाहर निकला और राहगीरों पर राइफल से गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे मौके पर ही मार गिराया।

मेट्रो एंकर

भारत में बसी मंदाना करीमी ने ईरानी शासन को बताया 'मिडिल ईस्ट का कैंसर'

खामेनेई की मौत पर भारत में प्रदर्शन से टूटा ईरानी एक्ट्रेस का दिल

मुंबई. एजेंसी

ईरानी मूल की एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने ईरानी शासन को 'कैंसर' जैसा बताया है और अपने मुल्क के लोगों की हालत के बारे में बात की है। मंदाना ईरान के तेहरान की रहने वाली हैं, पर कई साल पहले हमेशा के लिए भारत आकर बस गई थीं। उन्होंने भारत में ईरान के समर्थन में चल रहे विरोध-प्रदर्शन पर भी दुख जताया है।

अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद जहां ईरान में तबाही का मंजर है, वहीं वहां के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत से जश्न का भी माहौल है। हाल ही में मंदाना करीमी और एलनाज नौरोजी जैसी ईरानी एक्ट्रेसेस भी इसका जश्न मनाती नजर आईं। दोनों ही एक्ट्रेसेस ईरान छोड़ने के बाद कई साल से भारत में रह रही हैं। मंदाना

करीमी ने हाल ही ईरान के शासन के बारे में बात की और इसे मिडल ईस्ट में फैला हुआ कैंसर बताया। मंदाना ने एक इंटरव्यू में कहा कि दशकों से ईरान के लोग किस तरह की परिस्थितियों और हालातों से जूझते नजर आ रहे हैं। उन्हें इस बात की बहुत खुशी है कि उनके मुल्क के लोगों को दशकों से चले आ रहे क्रूर शासन से मुक्ति मिल गई और खामेनेई मारा गया, पर चिंता भी है कि उनके अपने लोग तकलीफ में हैं। एक्ट्रेस ने एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में ईरान की सत्ता के खिलाफ वहां के नागरिकों के दशकों से चले आ रहे विरोध-प्रदर्शन के बारे में बात की। वह बोलीं, ईरान में सालों से लोग निहत्थे होकर विरोध प्रदर्शन करते आ रहे हैं। हमने अपनों को खोया है। हमने माताओं, बच्चों को खोया तो यूनिवर्सिटीज भी खो दीं...लिस्ट लंबी है। किसी के लिए भी मौत का जश्न मनाना आसान नहीं होता, लेकिन इस शासन ने हमारे साथ जो किया वह भयावह है। 8 जनवरी और 9 जनवरी को हुए एक हजार लोगों के सामूहिक नरसंहार के वीडियो सभी ने देखे हैं। ईरानी शासन के सपोर्ट में भारत में हो रहे विरोध-प्रदर्शन को देख मंदाना करीमी दुखी हो गईं और बोलीं, अभी मेरा दिल बहुत टूट गया है क्योंकि जो विरोध हो रहा है भारत में, वह ईरान के शासन के सपोर्ट में है। मैं अपने लोगों के लिए दो हफ्ते पहले कैंडललाइट प्रोटेस्ट करने गई थी, पर मुझे परमिशन नहीं मिली।

रोते हुए शेयर किया वीडियो

मंदाना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर रोते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया था और ईरान के लिए दुख जताया था। साथ में लिखा था, बहुत ज्यादा दर्द, बहुत ज्यादा उम्मीदें, शायद अब ये नौरोज (ईरान का नया साल) आखिरकार कुछ अलग होगा। ईरान के लिए प्रार्थना करें। साथ ही मंदाना ने खामेनेई की मौत पर भी खुशी जाहिर की थी। उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर खामेनेई की मौत की खबर रो-रोकर बताते एंकर्स का वीडियो शेयर कर हंसने वाले इमोजी बनाए थे। साथ में लिखा था, ईरानी एंकर्स को खामेनेई की मौत की खबर बताते हुए रोते देखना...इससे बढ़िया कुछ नहीं।

होलिका दहन....

रंगों का उल्लास : जमकर खेली गुलाल की होली

भोपाल शहर में होली उत्सव को लेकर इस बार कॉलोनियों और मोहल्लों में खास उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही गलियों में रंगों की बौछार और ढोल-नगाड़ों की धुन गूंजती रही। महिलाएं, बच्चे और युवा आपस में गुलाल लगाकर होली के फेस्टिवल का आनंद लेते नजर आए। शहर की विभिन्न कॉलोनियों में लोगों ने एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर बुरा न मानो होली है के अंदाज में त्योहार मनाया। छोटे-छोटे बच्चे रंग-बिरंगी पिचकारियों के साथ दौड़ते नजर आए तो वहीं महिलाओं ने समूह बनाकर पारंपरिक गीतों पर नृत्य किया। कई जगहों पर कॉलोनी समितियों द्वारा डीजे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिससे माहौल और भी रंगीन हो गया। मोहल्लों में लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर मिठाइयां बांटी और गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं। गुलाल की होली के साथ-साथ पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सूखी होली खेलने का संदेश भी दिया गया। त्योहार को लेकर सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए स्थानीय स्तर पर निगरानी भी रखी गई। कुल मिलाकर भोपाल की कॉलोनियों में भाईचारे और उत्साह के साथ रंगों का यह पर्व धूमधाम से मनाया गया, जिसने शहर को पूरी तरह रंगों में सराबोर कर दिया।

होली के त्योहार के चलते स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़

ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल से दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और बिहार जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं है। इससे आरक्षित कोचों के यात्रियों को यात्रा करने में कठिनाई हो रही है। होली पर भोपाल और रानी कमलापति स्टेशनों से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में भारी भीड़ चल रही है। आलम ये है कि इन दोनों स्टेशनों से चलने वाली जोधपुर, जयपुर, रीवा, रायपुर समेत एक दर्जन ट्रेनों के स्लीपर और एसी रिजर्व कोचों में जहां जनरल यात्री घुस रहे हैं। इससे कन्फर्म टिकट धारक परेशान हो रहे हैं। प्लेटफार्म पर मौजूद पुलिस कर्मी व रेलवे अधिकारी भी असहाय साबित हो रहे हैं। दरअसल इसकी वजह लंबी दूरी की ट्रेनों में जनरल कोच कम होना है।

बता दें कि भोपाल मंडल के सर्वाधिक यात्री संख्या वाले रेलवे स्टेशन बीना, भोपाल, रानी कमलापति, इटारसी और गुना है, जहां होली पर रोजाना हरेक स्टेशन से औसतन 15 से 20 हजार यात्री सफर कर रहे हैं। यात्री संख्या में सबसे भोपाल और रानी कमलापति है, जहां से रोज दो दर्जन साप्ताहिक, रोज चलने वाली ट्रेनें शामिल है। अधिकारियों का मानना है कि मंडल के इटारसी, भोपाल और कमलापति स्टेशन से चलने और गुजरने वाली ट्रेनों में 28 फरवरी से 15 हजार यात्री औसतन सफर कर रहे हैं। उक्त दोनों स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन को नियंत्रित करने रेलवे ने अधिकारियों के साथ ही

आरपीएफ- जीआरपी बल तैनात किया है, लेकिन ये भी ट्रेनों के अंदर खासकर आरक्षित कोच में चढ़ने वाले जनरल टिकट वाले यात्रियों को नहीं रोक पा रहे हैं। इस भीड़तंत्र को देख रेलवे प्रशासन भी अपनेआप को असहाय पा रहा है। स्टेशनों के प्रवेश एवं निकास द्वारों पर सघन टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है। फुट ओवर ब्रिज पर भीड़ एकत्रित न हो, इसके लिए टिकट जांच निरीक्षकों को मुख्य द्वारों पर खड़ा किया गया है। उधर रेलवे सुरक्षा बल भी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी कर रही है। लिफ्ट, एस्केलेटर, प्रकाश व्यवस्था, पंखे, कोच गाइडेंस प्रणाली एवं सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली का नियमित निरीक्षण हो रहा है। ट्रेनों में व्यापक एवं बहुस्तरीय भीड़ प्रबंधन योजना प्रभावी रूप से लागू कर दी गई है। स्टेशनों पर वाणिज्य विभाग की टीमें तैनाती है, जो यात्रियों के टिकटों का निरीक्षण कर रही है। मंडल प्रशासन ने भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, इटारसी जंक्शन रेलवे स्टेशन तथा बीना जंक्शन रेलवे स्टेशन सहित मंडल के प्रमुख स्टेशनों के टिकट विंडो पर सुगम टिकटिंग व्यवस्था, आटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों की कार्यशीलता, टिकट चेकिंग स्टाफ एवं सुरक्षा स्टाफ की तैनाती की गई है। ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या भीड़जनित दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके।

एम्स में नई कैंसर शल्य क्रिया से मरीजों को मिलेगा सुरक्षित उपचार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नई सर्जरी तकनीक से अब मरीज को कम चीरे, कम दर्द के साथ कम समय में रिकवरी के साथ की जा सकती है। इससे मरीजों को ज्यादा वक्त अस्पताल में नहीं बिताना पड़ेगा और वे जल्द सामान्य जीवन में लौट सकेंगे। ये जानकारी एम्स में भोपाल ऑन्कोलॉजी सोसाइटी के सहयोग से आयोजित ऑन्को-लैप-कॉन नामक कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी। इस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने अन्नप्रणाली कैंसर इसोफैजियल कैंसर, बड़ी आंत कैंसर कोलोरेक्टल कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से जुड़ी जटिल सर्जरी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इस मौके पर चिकित्सकों को आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण देकर मरीजों को अधिक सुरक्षित, कम दर्द वाली सर्जरी से अवगत कराया गया। कार्यशाला का मार्गदर्शन एम्स के ईडी डॉ. माधवानन्द कर ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. शैलेश पुंतम्बेकर चिकित्सा निदेशक, गैलेक्सी केयर मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल पुणे ने विशेषज्ञ ने नई तकनीक की जानकारी दी। कार्यशाला में चिकित्सकों और सर्जनों के लिए आधुनिक लैप्रोस्कोपिक तकनीकों का लाइव प्रदर्शन किया गया।

एसटीएफ ने अरबी में लिखा चिट्ठा

3200 करोड़ी ठग लविश चौधरी को भारत लाने की तैयारी तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निवेश के नाम पर देशभर के 12 से ज्यादा राज्यों में 3200 करोड़ की ठगी करने वाले संगठित गैंग के मास्टरमाइंड लविश चौधरी को भारत लाने की तैयारी तेज हो गई है।

अंग्रेजी और अरबी में दस्तावेज तैयार

एसटीएफ के सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में की गई अब तक की कार्रवाई और लविश के आरोपों को इंदौर कोर्ट से वेरिफाई कराया गया है। जिसके बाद उन दस्तावेजों का अरबी और अंग्रेजी में ट्रांसलेट करवाया गया है। क्योंकि एसटीएफ की जानकारी के मुताबिक लविश का यूएई में शरण लेना पाया गया है। लिहाजा वहां अरबी और अंग्रेजी भाषा चलन में होने के कारण दस्तावेजों को इसी आधार पर तैयार करवाया गया है। ताकि यूएई से संवाद बेहतर हो सके।

इसी सप्ताह सीआइडी भेजी जाएगी फाइल

एसटीएफ द्वारा तैयार किए गए लविश पर लगे आरोपों के कच्चा चिट्ठे की फाइल इसी सप्ताह पुलिस मुख्यालय के सीआइडी शाखा भेजी जाएगी। जहां से दस्तावेजों के परीक्षण के बाद उसे गृह विभाग और शासन स्तर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजा जाएगा। यूएई में प्रत्यर्पण की कार्रवाई से पहले अदालत में सुनवाई का मौका मिलता है। अगर किसी देश ने औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा है।

रोजा इफ्तार...

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली एजुकेशन सोसायटी के तत्वावधान में मस्जिद अबूबकर बरकतुल्लाह पब्लिक स्कूल गांधी में रोजा इफ्तार का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में तराहवी अदा कर रहे नमाजी रोजेदार एवं आस पास के इलाके के रोजेदार शामिल हुए।

युवक ने तीन लाख के शूटिंग कैमरे हड़पे

अकसर किराए पर ले जाता था आरोपी, अब कॉल नहीं कर रहा रिसीव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के कमला नगर में रहने वाले युवक ने शूटिंग के कैमरे और लैंस मंडीदीप के युवक को किराए पर दिए। आरोपी युवक कैमरों को लेने के बाद लापता हो गया है। फरियादी ने कैमरों को देते युवक का वीडियो शूट कर लिया था। कमला नगर थाने में मामले की शिकायत की गई है। हालांकि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है।

जानकारी के मुताबिक रितेश आर्य 23वीं बटालियन भदभदा का रहने वाला है। वह कैमरे किराए पर देता और घर से अपना कारोबार करता है। उसने पुलिस को बताया कि सुरेंद्र रघुवंशी निवासी सतलापुरा

मंडीदीप जिला रायसेन का रहने वाला है। वह अकसर उनसे किराए पर कैमरे लिया करता था। बीते दिनों उसने कैमरे लिए लेकिन तय समय से अधिक समय होने के बाद भी लौटाए नहीं। लगातार कॉल करने पर कॉल नहीं उठा रहा है। कैमरों की कीमत करीब तीन लाख रुपए है। वहीं शिकायत करने के बाद भी पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही है।

पुलिस ने कहा- यह हमारा काम नहीं

रितेश के मुताबिक कमला नगर थाना पुलिस आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। जबकि आरोपी ने सीधे तौर पर अमानत में खयानत की है। थाने में जाने पर पुलिस कहती है कि कैमरों को दिलाना हमारा काम नहीं है। रितेश ने अब वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही है। रितेश के पास आरोपी का सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद है।

पिटाई से इंजीनियर की हुई थी मौत, 10 को कोर्ट में सुनवाई

भोपाल। इंद्रपुरी सी सेक्टर में दो पुलिस आरक्षकों संतोष बामनिया और सौरभ आर्य पर इंजीनियर उदित गायकी की पीटकर हत्या करने के मामले में कोर्ट ने आरोप तय कर दिए हैं। इस मामले की सुनवाई 10 मार्च से शुरू होगी। जानकारी के अनुसार उदित गायकी वर्ष 2025 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद बेंगलुरू में नौकरी की तलाश कर रहे थे। वह घटना से दो दिन पहले अपने दस्तावेज लेने के लिए बेंगलुरू से भोपाल आए थे। उदित की दो पुलिसकर्मी उन्हें उतारकर बेरहमी से पीटने लगे। दोस्तों ने उन्हें बचाया लेकिन कुछ ही देर बाद उनकी सांसें थम गईं।

521 करोड़ की 29 कंपोजिट शराब दुकानों के लिए नहीं आए ई-टेंडर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जिले की 87 कंपोजिट शराब दुकानों को 20 समूहों में बांटा गया है। इनमें से सात समूह की 29 कंपोजिट शराब दुकानों के लिए सोमवार को ई टेंडर मांगे गए थे। जिनका आरक्षित मूल्य 521 करोड़ रुपये रखा गया है, लेकिन इन दुकानों के लिए एक भी टेंडर नहीं आया है।

ऐसे में अब सात समूह की नई 31 दुकानों के लिए पांच मार्च को टेंडर लिए जाएंगे, जबकि अन्य बची हुई शेष 25 दुकानों के लिए आठ मार्च को टेंडर प्रक्रिया होगी। जानकारी के अनुसार आबकारी नीति वर्ष 2026-27 के प्रविधानों के अनुरूप जिले के कुल 20 समूहों में शामिल 87 कंपोजिट शराब दुकानों में से बैच एक प्रथम चरण में निष्पादित होने वाले ई आबकारी पोर्टल द्वारा रेंडमली चयनित सात शराब समूहों में शामिल 29 कंपोजिट शराब दुकानों के ई टेंडर मांगे गए थे। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निष्पादन की कार्रवाई की गई, जिसमें सामने आया कि एक भी टेंडर प्राप्त नहीं हुआ है। अब पांच मार्च को सात समूह में विभाजित नई 31 कंपोजिट शराब दुकानों के लिए ईटेंडर प्रक्रिया होगी। इन दुकानों को आरक्षित मूल्य करीब 503 करोड़ रुपये गया है और धरोहर राशि 5 करोड़ 95 लाख रुपये रखी गई है।

मेट्रो एंकर

प्लांट कमेटी की बैठक में यूनियनों ने बताई समस्या

भेल की घट रही उत्पादन क्षमता, मशीनों को अपडेट करना जरूरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भेल भले ही आधुनिकीकरण का दावा करता हो, लेकिन कारखाने में एक दर्जन ऐसे ब्लॉक हैं, जहां 50 साल से अधिक पुरानी मशीनों पर कर्मचारी काम कर रहे हैं। भेल की यूनियनों ने इन मशीनों को बदलने या आधुनिक तकनीक के हिसाब से उन्नयन करने की मांग की है। ये मुद्दा भेल के स्वर्ण जयंती सभागार में कार्यपालक निदेशक प्रदीप उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित प्लांट कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक में उठा। इस उच्च स्तरीय बैठक में ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन के प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं और संयंत्र के आधुनिकीकरण से जुड़े 28 से अधिक गंभीर मुद्दों को मजबूती से पटल पर रखा। यूनियन ने भेल कारखाने में तकनीकी उन्नयन और

बुनियादी सुविधाओं पर जोर दिया। बैठक में ऑल इंडिया भेल एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष सतेंद्र कुमार ने बताया कि पुरानी मशीनों पर काम करने से क्षमता नहीं बढ़ पाती। इससे उत्पादन पर असर पड़ता है। इन मशीनों के कारण हर साल उत्पादन लक्ष्य को समय से पहले नहीं पा सकते हैं, इसलिए अब इन मशीनों को बदला जाए। खासकर ब्लॉक 1, 2, 3, 9 फीडर्स, ट्रांसफार्मर समेत ऐसे कई विभाग है, जहां आज भी कर्मचारी पुरानी मशीनों पर कार्य करने को मजबूर हैं। हमारा सुझाव है कि इन मशीनों का अत्याधुनिकीकरण की जाएं। इसके लिए भेल प्रबंधन भारी उद्योग मंत्रालय को प्रस्ताव भेजे। वैसे भी आजकल एआई का दौर है। ईडी उपाध्याय ने इस सुझाव पर अमल करने का भरोसा दिया है।

बैठक में ये मुद्दे भी उठाए

- मेडिकल स्टाफ फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयी के रूप में पैरामेडिकल स्टॉफ की भर्ती कर न्यूनतम 30,000 रुपए वेतन सुनिश्चित की जाएं।
- पदोन्नति के लिए आर्टिजन से सुपरवाइजर बनने 3 अवसरों की संख्या 3 से बढ़ाकर 5 की जाए। इससे अनुभवी कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान न होगा।
- ब्लॉकों में मशीनें 40 से 50 वर्ष पुरानी हो चुकी हैं। उत्पादन की गुणवत्ता बनाए रखने इनका उन्नयन या नई मशीनों की स्थापना अनिवार्य है।
- निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग डंप यार्ड के रूप में हो रहा है। इन स्थानों को तत्काल मुक्त कराने और नई पार्किंग विकसित की जाएं।
- सेवानिवृत्ति के बाद माता-पिता की चिकित्सा सुविधा बंद करने व रेफरल मामलों में उनके साथ वार्ड आवंटन में भेदभाव यानि केवल जनरल वार्ड देने को अनुचित बताते हुए नीति की समीक्षा हो।

बेलगाम बस बुकिंग ऐप्स वसूल रहे मनमाना किराया, मुसाफिर हो रहे परेशान

होली पर भोपाल से लखनऊ का किराया 8,899, सतना के लिए 4500 रु.

कराची, एजेंसी

मध्य प्रदेश में होली के त्योहार के चलते बड़ी संख्या में लोग यात्रा कर रहे हैं। इसका फायदा उठाकर बस ऑपरेटर्स यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। ऑनलाइन बस बुकिंग ऐप्स पर भोपाल से लखनऊ के लिए किराया 8,899 रुपए तक है। यह सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक है। त्योहार के समय घर पहुंचने की मजबूरी में यात्रियों के पास सीमित विकल्प होते हैं। इसी का फायदा उठाते हुए किराए में भारी बढ़ोतरी कर दी गई है। आमतौर पर भोपाल से सतना का सामान्य किराया 1,000 से 1,200 रुपए के बीच रहता है, लेकिन अब रेड बस के ऐप पर किराया 4,500 रुपए है, यानी चार गुना तक किराया बढ़ा दिया गया है। इसी तरह भोपाल से रीवा जाने वाली सुनील टूर एंड ट्रैवल्स की बस में अधिकतम किराया 6,000 रुपए तक है। देव हाई स्पीड ट्रैवल्स में 4,500 रुपए और अंजुमन ट्रैवल्स में 5,000 रुपए तक किराया वसूला जा रहा है, जबकि सामान्य दिनों में यही सफर 900 से 1,200 रुपए में पूरा हो जाता है। खास बात यह है कि एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस अफसरों को किराये की अवैध वसूली रोकने के आदेश दिए थे।

भोपाल से मुंबई का किराया 6006

भोपाल से मुंबई के लिए रतन टूर एंड ट्रैवल्स 6006 रुपए तक किराया ले रहा है, जबकि आम दिनों में यही टिकट 1400 से 1700 रुपए में मिल जाता है। भोपाल से लखनऊ के लिए बेटवंटी ट्रैवल्स में किराया 8899 रुपए तक पहुंच गया है, जो सामान्य 1400 से 1800 रुपए की तुलना में कई गुना अधिक है।

विभाग के पास ऐप किरायों पर विभाग का नियंत्रण नहीं

सबसे अहम बात यह है कि ऑनलाइन बस बुकिंग ऐप्स पर दिखाए जा रहे किरायों पर परिवहन विभाग का सीधा नियंत्रण नहीं है। किराया तय करने का अधिकार संबंधित बस ऑपरेटर के पास होता है और ऐप्स उसी तय दर को अपने प्लेटफॉर्म पर दिखाते हैं। ऐसे में त्योहारों के दौरान जैसे ही मांग बढ़ती है, किराया मनचाहे स्तर तक पहुंच जाता है। हालांकि, भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा का कहना है कि यदि किसी यात्री को किराये से संबंधित कोई शिकायत है तो वह सीधे कार्यालय में संपर्क कर सकता है।

गाड़ियों पर कोई नियंत्रण नहीं : एसोसिएशन

मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन के महामंत्री जय कुमार जैन का कहना है कि जो बसें स्टेज कैरिज के रूप में चलाई जा रही हैं, वह किसी तरह की किराये में अनियमितता नहीं कर रही हैं, जो गाड़ियां ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट लेकर अवैध रूप से स्टेज कैरिज के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं, वे ही ज्यादा किराया ले रही हैं। इन गाड़ियों पर कोई नियंत्रण नहीं है।

मुख्यमंत्री ने दिए थे अफसरों को आदेश

खास बात यह है कि रविवार को ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस अधीक्षकों और आईजी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कहा था कि त्योहारों के चलते अधिक संख्या में यात्रियों के आवागमन के कारण बस ऑपरेटर्स यात्रियों से अधिक किराया वसूल रहे हैं। ऐसी घटनाओं पर रोक लगाएं। त्योहारों के दौरान विशेष संवेदनशीलता का परिचय दिया जाना चाहिए।

मप्र में आज बे-बस रहेंगे यात्री, कल थमे रहेंगे पहिये, बढ़ेगी परेशानी

रंगों के महापर्व होली के अवसर पर इस वर्ष शहर में यात्री बसों का संचालन आंशिक रूप से प्रभावित रहेगा। होलिका दहन के बाद भी मंगलवार को कुछ रूटों पर बसें चलेंगी, हालांकि, उनकी संख्या कम रहेगी। लेकिन धुरेड़ी के दिन यानी बुधवार को यात्री बसों और मेट्रो बसों के पहिए पूरी तरह थमे रहेंगे। पांच मार्च को भी स्थिति लगभग ऐसी ही बनी रह सकती है। छह मार्च से बसों के फिर से नियमित रूप से सड़कों पर लौटने की संभावना है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में छह मार्च को भी यात्री बसों का संचालन बाधित रह सकता है, क्योंकि अधिकांश चालक और परिचालक रंग पंचमी तक अवकाश पर रहते हैं। होली के मद्देनजर अपने घर पहुंचने की जल्दी में यात्रियों की अच्छी-खासी भीड़ दीनदयाल चौक स्थित अंतरराष्ट्रीय बस टर्मिनस पर देखी गई। इसके अलावा शहर के अस्थाई बस स्टैंडों पर भी यात्रियों की चहल-पहल रही।

रात होते ही बंद हुआ संचालन

होलिका दहन के साथ ही सोमवार रात से अधिकांश बसों का संचालन बंद कर दिया गया। बसें शाम तक अपने-अपने गंतव्यों के लिए रवाना हुईं और वहां पहुंचकर खड़ी कर दी गईं। जबलपुर बस ऑपरेटर एसोसिएशन के पदाधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि होली के दौरान बसों का संचालन जोखिम भरा रहता है। मंडला, डिंडौरी, कटनी, बालाघाट, सिवनी और छिंदवाड़ा सहित अधिकतर रूटों की बसें रात में ही खड़ी कर दी गईं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को कुछ रूटों पर बसें चलेंगी, लेकिन उनकी संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम रहेगी।

आइएसबीटी से प्रतिदिन नागपुर, रायपुर, दुर्ग, भोपाल सहित कटनी, मंडला, डिंडौरी, दमोह और सागर समेत अन्य जिलों के लिए 350 से अधिक बसों का संचालन होता है।

जुलवानिया भगोरिया हाट में उड़ा उल्लास-परंपरा का रंग, सीएम ने दी विकास कार्यों की सौगात

50 एकड़ में स्थापित होगा आदर्श बीज उत्पादन केंद्र आधुनिक सब्जी मंडी से मजबूत होगी अर्थव्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगोरिया केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आनंद में झूमने का पर्व है। पर्व में महिला और पुरुष समान रूप से कदम से कदम मिलाकर नृत्य करते हैं और पारंपरिक वेशभूषा में लोक संस्कृति की अद्भुत छटा बिखेरते हैं। ताड़ी जैसे पारंपरिक पेय का आनंद भी इस उत्सव का हिस्सा है। जनजातीय संस्कृति की अपनी विशिष्ट पहचान और महत्व है। इसी परंपरा को संरक्षित करने के लिये राज्य सरकार ने इस पर्व को राजकीय पर्व का दर्जा देकर इसकी गरिमा को और बढ़ाया गया है। यह बातें सीएम ने बड़वानी जिले के जुलवानिया में भगोरिया उत्सव में कही। बड़वानी के जुलवानिया में भगोरिया हाट में उस समय उल्लास और उमंग का अनूठा दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री जनजातीय बंधुओं के भगोरिया उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन से पूरा हाट परिसर उत्साह, रंग और पारंपरिक उल्लास से सराबोर हो गया। जनजातीय संस्कृति की जीवंत छटा से सजे इस पारंपरिक पर्व में मांदल की गूंजती थाप, पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित नर्तक-नर्तकियों की मनमोहक प्रस्तुतियां तथा गुलाल से रंगीन वातावरण ने भगोरिया को और भी आकर्षक बना दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कलाकारों के साथ मांदल की थाप पर कदम मिलाकर उनकी कला और परंपराओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

हर मौसम के अनुरूप त्योहारों की परंपरा

सीएम ने कहा कि निमाड़ क्षेत्र अपनी सांस्कृतिक समृद्धि, उत्सवधर्मिता और जीवन के प्रति आनंदमयी दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध है। यहां प्रत्येक मौसम के अनुरूप त्यौहारों की परंपरा रही है, जिससे जीवन में उल्लास और सामूहिकता बनी रहे। पूर्वजों द्वारा स्थापित यह आनंदमयी परंपरा आज भी जीवंत है। सदियों से भगोरिया पर्व इस क्षेत्र में हर्ष, उमंग और लोक जीवन की ऊर्जा का प्रतीक बना हुआ है। सीएम ने कहा कि निमाड़ का क्षेत्र, मां नर्मदा के आशीर्वाद से समृद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जल प्रबंधन एवं सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से सूखे खेतों तक पानी पहुंचा है और फसलें लहलहा रही हैं। यहां विविध प्रकार की फसलें, फल और सब्जियों का उत्पादन हो रहा है। प्राकृतिक खेती को भी किसान उत्साहपूर्वक अपना रहे हैं, जिसके कारण बड़वानी जिले के फल एवं सब्जियों की मांग देश-विदेश में बनी हुई है। अब लक्ष्य है कि फसल को खेत से कारखाने तक पहुंचाया जाए और फूड प्रोसेसिंग के माध्यम से किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाया जाए।

रेलवे भर्ती में मुन्नाभाई स्टाइल फर्जीवाड़ा...

कोचिंग संचालक को बिठाया परीक्षा में, 5 माह तक की नौकरी सीबीआई ने दोनों को दबोचा

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

रेलवे में नौकरी हासिल करने के लिए बिहार के एक युवक ने अपने कोचिंग संचालक को परीक्षा में बैठाया। फर्जीवाड़ा कर रेलवे में टेक्नीशियन के पद पर पदस्थ हो गया। पश्चिम मध्य रेल में पांच माह तक नौकरी किया। इसी दौरान बायोमेट्रिक जांच में उसकी जालसाजी उजागर हो गई। रेलवे ने घटना की सीबीआइ को जानकारी दी। इसकी भनक लगते ही मुकेश बिना बताएं नौकरी से गायब हो गया। छानबीन में सीबीआइ को आरोपित मुकेश के बिहार में होने का पता चला। तब सीबीआइ के एक दल बिहार के मुंगेर में छापेमारी कर आरोपित मुकेश को पकड़ा। उसी से कोचिंग संचालक रंजीत कुमार का सुराग मिला। सीबीआइ दोनों आरोपित को पकड़कर जबलपुर लेकर आयी। उसके बाद न्यायालय के निर्देश पर सोमवार को आरोपितों को जेल भेज दिया गया है।

वर्ष 2024 में वेकेंसी, अगले साल नियुक्ति

रेलवे ने वर्ष 2024 में अलग-अलग पदों के लगभग आठ हजार से अधिक पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकला। इसमें टेक्नीशियन के पद के लिए मुंगेर निवासी मुकेश कुमार ने आवेदन किया। प्रारंभिक परीक्षा दिसंबर 2024 में पटना में हुई, जिसमें मुकेश की जगह पर रंजीत परीक्षार्थी बनकर शामिल हुआ। परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत अभिलेखों के सत्यापन और मेडिकल के लिए भी रंजीत ही मुकेश बनकर उपस्थित हुआ। समस्त चरण में सफल होने के बाद 12 जुलाई, 2025 को रोजगार मेला में नियुक्ति पत्र लेने के लिए मुकेश कुमार पहुंचा। फिर इसी वर्ष सितंबर में उसकी पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत सेक्शन इंजीनियर के कार्यालय में ज्वाइनिंग हुई। रेलवे में नियुक्ति प्राप्त करने के बाद आरोपित मुकेश अक्टूबर 2025 में प्रयागराज में विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुआ। इसके बाद वह जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत दमोह और सागर में पदस्थ रहा। रेलवे ने नई भर्ती वाले कर्मचारियों का एक वर्ष में पुनः बायोमेट्रिक सत्यापन होता है। जबलपुर में 14 नवंबर, 2025 को जब उसका दोबारा बायोमेट्रिक निशान लिया गया तो अंगूठे और चेहरे का मिलान नहीं हुआ।

छह लाख रुपये में सौदा

आरोपित मुकेश ने स्नातक किया है। उसे पता था कि वह रेलवे की भर्ती परीक्षा पास नहीं कर सकेगा। तब उसने पड़ोस में रहने वाले रंजीत कुमार से बातचीत की। रंजीत प्रतियोगी परीक्षा के लिए कोचिंग संचालित करता था। पड़ोस में रहने के कारण दोनों की अच्छी जान-पहचान थी। रेलवे भर्ती का परीक्षा फार्म भरने के बाद मुकेश ने रंजीत को रुपयों का लालच दिया। यदि रंजीत उसके बदले परीक्षा पास कर लेता और रेलवे में नौकरी लग जाती है तो मुकेश उसे छह लाख रुपये नकद देगा। एक मुश्त मोटी राशि प्राप्त करने के लिए रंजीत साल्वर बनकर जालसाली करने तैयार हो गया। वह मेडिकल के लिए कोटा तक मुकेश की जगह पहुंचा। आरोपितों ने जालसाजी छिपाने के लिए शातिर पैंतरा अपनाया। मुकेश और रंजीत ने मिलकर इंटरनेट के माध्यम से अपने चेहरों को मिलाकर एक फोटो बनाया। इसी फोटो को मुकेश ने रेलवे भर्ती परीक्षा के आवेदन पर चिपकाया। ताकि कोई आसानी से उन्हें पहचान न सके।

कार्यक्रम में जुटेंगे दिग्गज वैज्ञानिक और विद्वान

महाकाल की नगरी में आज से होगा महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

डोंगला को विश्व मध्यान बनाने पर फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्राचीन काल से ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में विश्व गुरु रहे भारत की खगोलीय विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए मध्य प्रदेश की धार्मिक और वैज्ञानिक नगरी उज्जैन एक ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। आगामी 3 से 5 अप्रैल 2026 तक उज्जैन और डोंगला में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसका मुख्य विषय ÷महाकाल÷द मास्टर ऑफ टाइम ÷ रखा गया है।

वीर भारत न्यास के निदेशक और मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्रीराम तिवारी ने बताया कि इस सम्मेलन का एक प्रमुख उद्देश्य उज्जैन के समीप स्थित डोंगला ग्राम को विश्व के मध्यान मेरिडियन के रूप में स्थापित करना है। कर्क रेखा पर स्थित होने के कारण डोंगला वर्तमान में काल गणना का सटीक केंद्र बिंदु माना जाता है।

कार्यक्रम में देश-विदेश के दिग्गज वैज्ञानिक और विद्वान जुटेंगे। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ

और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस आयोजन में आइआइटी इंदौर और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी सह-आयोजक हैं।

मुख्य आयोजन से पूर्व जागरूकता फैलाने के लिए दिल्ली 24 फरवरी, काशी 9 मार्च, पुरी 10 मार्च और बेंगलुरु 23 मार्च जैसे शहरों में %%प्री-कांफ्रेंस इवेंट%% आयोजित किए जा रहे हैं। तीन अप्रैल को उज्जैन के तारामंडल परिसर में भव्य उद्घाटन होगा, जिसमें शिक्षा जगत के विशेषज्ञों से लेकर अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस दौरान एक्सपो, सांस्कृतिक कार्यक्रम और डोंगला वेधशाला का भ्रमण भी रहेगा।

ऊर्जा मंत्री ने बड़वानी जिले के राजपुर में तीन ग्रिडों का किया निरीक्षण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार अपराह्न तीन स्थानों पर 33/11 केवी ग्रिडों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रिडों पर नियम पालन और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बड़वानी जिले के नागलवाडी में कैबिनेट की मीटिंग के बाद मंत्री श्री तोमर ने राजपुर, जिला बड़वानी में 33/11 केवी विद्युत ग्रिड का निरीक्षण कर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।

मप्र में सत्र 2026-27 से 4500 स्कूलों में प्री-प्राइमरी शुरू

तीन से छह वर्ष के बच्चों के लिए खेल आधारित पढ़ाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार सत्र 2026-27 में प्रदेश के 4500 सरकारी स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू करने जा रही है। नई शिक्षा नीति में पहली कक्षा में प्रवेश से पहले प्री-प्राइमरी में प्रवेश का प्रविधान किया गया है। अभी तक करीब दो हजार स्कूलों में यह व्यवस्था की गई थी। प्रवेश के लिए तीन से साढ़े चार वर्ष की आयु निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीन से छह वर्ष के बच्चों को औपचारिक स्कूली शिक्षा से पहले खेल-खेल में सीखने का माहौल देने का प्रविधान है। इसके तहत किंडरगार्टन की तर्ज पर प्री-प्राइमरी बालवाटिका कक्षाएं शुरू की जा रही हैं। सरकार ने इसे चरणबद्ध ढंग से लागू करने का निर्णय लिया था। अब राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रवेश संबंधी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। नए प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु की गणना संबंधित सत्र की 31 जुलाई तथा पहली कक्षा के लिए 30 सितंबर से की जाएगी।

कक्षाओं को बनाया जाएगा आकर्षक

सरकारी स्कूलों में अब तक सीधे पहली कक्षा में प्रवेश दिया जाता था, जबकि निजी प्ले स्कूलों में अभिभावक बच्चों को प्री-प्राइमरी में पढ़ाते थे। इससे सरकारी स्कूल के बच्चे पिछड़ जाते थे। अब तीन से छह वर्ष तक के बच्चों को स्कूलों से जोड़ने के लिए आकर्षक फर्नीचर, खिलौने और रंगीन दीवारों वाली कक्षाएं तैयार की जाएंगी। जिन परिसरों में पहले से हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल संचालित हैं, वहीं इन कक्षाओं का चयन किया गया है, ताकि बच्चों को एक ही

मेट्रो एंकर — होली पर मप्र में मिलावटखोरों पर बड़ी कार्रवाई

खाद्य विभाग ने लिए 3996 सैंपल, 17 कारोबारियों के लाइसेंस रद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी सहित प्रदेश में हर साल की तरह इस साल भी खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीमों ने त्योहार के एक महीने पहले मावा, दूध, पनीर, मिठाई सहित अन्य खाद्य पदार्थों की जांच शुरू की। ऐसे में मिलावटखोर कारोबारियों ने पहले ही मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचकर लाभ कमा लिया, जबकि भोपाल में होली से पहले 250 नमूने लिए गए लेकिन कार्रवाई के लिए जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अनुसार होली को देखते हुए प्रदेश में मिलावटी खाद्य पदार्थ के खिलाफ अभियान चलाकर दो फरवरी से एक मार्च तक टीमों ने 15 हजार 988 किलोग्राम खाद्य पदार्थ व अपद्रव्य जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 26 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। जबकि दो हजार 350 नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए और एक हजार 646 नमूनों की चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में त्वरित जांच की गई। इनके अलावा मिलावटी खाद्य सामग्री में मिलावट मिलने पर 17 खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस व पंजीयन निरस्त करते हुए 42 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। वहीं चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा जांच के दौरान मिली 435 किलो दूषित खाद्य सामग्री नष्ट की गई है।

छोटे प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण

होली से पहले मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव भले ही दावा कर रहे हों कि टीम ने निरीक्षण कर नमूने लिए हैं लेकिन उनकी टीम 50 प्रतिशत तक भी निरीक्षण नहीं कर सकी है। एक महीने में सिर्फ सागर गैरे, शर्मा विष्णु, मामाजी जलेबी, आनंदम फैमिली रेस्टोरेंट, मां अन्नपूर्णा भोजनालय, आनंद, राजश्री, महेंद्र, महाकाल मावा भंडार, भोपाल डेयरी, न्यू कृष्णा डेयरी नादरा बस स्टैंड से पनीर, दही, मावा, घी, छप्पन भोग, गागर आदि का निरीक्षण किया है। जबकि शहर के बड़े-बड़े मिष्ठान प्रतिष्ठानों पर न तो निरीक्षण किया गया है और न ही नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए हैं।

27 क्विंटल मावा जब्त, लेकिन रिपोर्ट का पता नहीं

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की भोपाल टीम ने मावा, पनीर, दही, घी, सोयाबीन तेल, ड्राई फ्रूट्स, नमकीन, मिठाई, पनीर, तेल, मैदा, बेसन आदि खाद्य पदार्थ के करीब 246 नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। जबकि 21 फरवरी को 27 क्विंटल मावा व पनीर मिलावट होने की आशंका के चलते जब्त किया गया था लेकिन इसके नमूने की जांच नहीं मिल सकी है। इससे यह पता नहीं चल सका है कि यह असली है या नकली। भोपाल सहित पूरे प्रदेश में होली से पहले विशेष अभियान चलाते हुए मावा, मिठाई, पनीर सहित अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

मानव सभ्यता पर सवाल

दुनिया इन दिनों भीषण युद्धों से जूझ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष तो जारी ही हैं, इजराइल-अमेरिका द्वारा इरान पर किए जा रहे हमलों और ईरान द्वारा पलटवार करते हुए लगभग दर्जन भर देशों में अमेरिकी ठिकानों पर किए जा रहे हमलों ने तीसरे विश्व युद्ध की आशंका को हवा दे दी है। हालांकि जब तक चीन और रूस सक्रिय रूप से ईरान के समर्थन में आगे नहीं आते, तब तक शायद दुनिया दो ध्रुवों में न बंटे, फिर भी ईरान अकेले दम पर ही जिस तरह से इजराइल समेत मिडिल ईस्ट के कई देशों को निशाना बना रहा है, उससे इस युद्ध के जल्दी खत्म होने के बजाय और भड़कने की आशंका ही ज्यादा नजर आती है। खुद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प भी कह चुके हैं कि लड़ाई अभी कुछ और सप्ताह तक चल सकती है तथा कुछ और अमेरिकी सैनिकों की इसमें जान जा सकती है। ईरान झुकने को तैयार नहीं है औरट्रम्प उसे झुकाए बिना मानने को तैयार नहीं हैं। हालांकि ईरान के सर्वोच्च नेता स्वामेनेई मारे जा चुके हैं, फिर भी अमेरिका का कहना है कि उसका लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है। यह बात अलग है कि ट्रम्प ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वास्तव में अमेरिका का लक्ष्य क्या है। उधर पाकिस्तान और अफ-गानिस्तान के बीच भी सीमा पर संघर्ष तेज हो गया है और दोनों पक्षों के सैकड़ों लोग मारे गए हैं। इन युद्धों में जो देश प्रत्यक्ष तौर पर जुड़े हुए हैं, उन्हें तो नुकसान हो ही रहा है, तटस्थ देशों को भी इसका आर्थिक खामियाजा भुगतना पड़ रहा है क्योंकि ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद करने से कच्चे तेल की वैश्विक सप्लाई पर असर पड़ा है, जिससे तेल के दामों के आसमान छूने की आशंका है। दुनियाभर के शेयर बाजार भी धराशायी हो रहे हैं। सब जानते हैं कि युद्धों में जीतता कोई नहीं, दोनों ही पक्ष हारते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कोई कम हारता है कोई ज्यादा अर्थात किसी को कम नुकसान होता है और किसी को ज्यादा। यह दुर्भाग्य ही है कि मानव सभ्यता के चरम शिखर पर पहुंचने के बावजूद हम आज भी अपने मतभेदों का निपटारा अंततोगत्वा पाशविक बल से ही करते हैं। तो क्या कथित तौर पर हमारी सभ्यता मुखौटा मात्र ही है और अंदर से हम मनुष्य आज भी आदिम युग जैसे ही हैं? त्रासदी यह है कि आदिम युग में हम आदिम औजारों से लड़ते थे तो उससे क्षति भी सीमित मात्रा में ही होती थी, जबकि आज अत्याधुनिक हथियारों ने मानव जाति के अस्तित्व के लिए ही खतरा पैदा कर दिया है। दुनिया आज जिस तरह विनाशकारी युद्धों से जूझ रही है उसने हर विवेकवान मनुष्य को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि क्या हमारी सभ्यता का यही हश्र होना चाहिए?

युद्ध लंबा खिंचा तो तेल व गैस की कीमतों में होगी वैश्विक बढ़ोत्तरी, होगा बहुआयामी संघर्ष

अमरेश द्विवेदी
स्तंभकार

ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के हमले के बाद पश्चिम एशिया में होर्मुज जल डमरूमध्य क्षेत्र एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया है। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री रास्ता दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। किसी भी सैन्य टकराव की स्थिति में यहां मामूली रुकावट भी युद्ध के परिणाम और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल सकती है।

होर्मुज जल क्षेत्र दुनिया के सबसे रणनीतिक समुद्री मार्गों में गिना जाता है। अपने सबसे पतले हिस्से में यह लगभग 34 किलोमीटर चौड़ा है और इसी रास्ते से प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल गुजरता है जो वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का करीब 20-25% यहीं से होता है। यह दुनिया के एलएनजी व्यापार का लगभग 20% इसी मार्ग पर निर्भर है और कुल वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 11% इस रास्ते से गुजरता है। इसके साथ ही एशिया के सबसे बड़े आयातक- चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया इस मार्ग पर विशेष रूप से निर्भर हैं।

होर्मुज क्षेत्र सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा संतुलन का केंद्र है। युद्ध की स्थिति में यहां थोड़ी सी बाधा भी तेल बाजार, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा बदल सकती है। यही कारण है कि दुनिया की निगाहें इस संकरे लेकिन निर्णायक जलमार्ग पर टिकी हुई हैं।इस क्षेत्र का उत्तरी तट ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी किनारा ओमान के मुसंदम प्रायद्वीप से जुड़ा है। ईरान उत्तरी प्रवेश द्वार और कई रणनीतिक द्वीपों पर नियंत्रण रखता है, जिससे उसे समुद्री गतिविधियों पर प्रभाव डालने की सामरिक क्षमता मिलती है। साल 1980-88 के ईरान-इराक युद्ध के दौरान 'टैंकर युद्ध' ने इस मार्ग की संवेदनशीलता को उजागर किया था। तेल टैंकरों पर हमलों और समुद्री माइंस बिछाए जाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार में घबराहट फैल गई थी और विदेशी नौसैनिक हस्तक्षेप बढ़ा था। हाल के वर्षों में भी प्रतिबंधों और क्षेत्रीय तनाव के दौरान जहाजों की जब्ती और चेतावनियों ने शिपिंग लागत और बीमा प्रीमियम को बढ़ा दिया हैं। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद अगर यह युद्ध लंबा खिंचता है तो वैश्विकस्तर पर इसके कई तात्कालिक प्रभाव दिखेंगे। जैसे कि तेल और गैस की कीमतों में उछाल। सप्लाई चेन में अस्थिरता। यहां जहाजों के रूट बदलने से देरी और बढ़ी हुई लागत वैश्विक व्यापार को प्रभावित करेंगी। आर्थिक दबाव, जो ऊर्जा आयातक देशों में महंगाई और औद्योगिक लागत बढ़ सकती है। इसके साथ ही सैन्य विस्तार का खतरा बना रहेगा जिससे समुद्री मार्ग की सुरक्षा के नाम पर बाहरी शक्तियों की मौजूदगी बढ़ जाएंगी और इससे टकराव और गहरा हो जाएगा। इसके अलावा कुछ पाइपलाइन विकल्प मौजूद हैं, लेकिन वे होर्मुज से गुजरने वाले समुद्री तेल और गैस सप्लाई के लिए विकल्प के रूप में नहीं देख सकते हैं। इसलिए यह गलियारा वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अपरिहार्य बना हुआ है।

होर्मुज सिर्फ एक समुद्री रास्ता या ऊर्जा आपूर्ति का मार्ग नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा संतुलन का केंद्र है। युद्ध की स्थिति में यहां थोड़ी सी बाधा भी तेल बाजार, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा बदल सकती है। यही कारण है कि दुनिया की निगाहें इस संकरे लेकिन निर्णायक जलमार्ग पर टिकी हुई हैं। साथ ही यह भू-राजनीतितक शक्ति प्रदर्शन का केंद्र भी है। युद्ध की स्थिति में इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इस क्षेत्र में ईरान की नौसैनिक रणनीति होर्मुज को अपने निरोधक सिद्धांत का मुख्य हिस्सा मानती है। ईरान ने इस समुद्री मार्ग पर तेज गश्ती नौकाएं, एंटी-शिप मिसाइलें, समुद्री माइंस और ड्रोन और तटीय रडार सिस्टम लगा रखे हैं। इन साधनों के जरिए ईरान पारंपरिक नौसैनिक ताकतों को चुनौती दे सकता है। यह असिमेट्रिक वॉरफेयर यानी असममित युद्ध मॉडल को दिखाता है जहां बड़े युद्धपोतों के खिलाफ छोटे लेकिन तेज और घातक हमलों पर आधारित है। दूसरी तरफ, संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से खाड़ी क्षेत्र में नौसैनिक मौजूदगी बनाए हुए है। अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बहरीन में तैनात है और उसका मुख्य उद्देश्य समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इन तनाव के बीच यदि गलियारे पर दबाव बढ़ता है तो मुमकिन है कि अमेरिका यहां अंतरराष्ट्रीय एस्कॉर्ट मिशन भी शुरू हो सकते हैं। इसके साथ ही मल्टीनेशनल टास्क फोर्स का गठन, ड्रोन और निगरानी गतिविधियां तेज़ होने के साथ ही इस टकराव का दायरा क्षेत्रीय से वैश्विक बन सकता है। होर्मुज में बाधा का असर केवल तेल तक सीमित नहीं रहता। कच्चे तेल की कीमतों में अचानक उछाल, एलएनजी आपूर्ति में कमी से यूरोप और एशिया में ऊर्जा संकट, शेयर बाजारों में गिरावट, महंगाई दर में वृद्धि, शिपिंग और बीमा लागत में भारी बढ़ोतरी और ऊर्जा कीमतें बढ़ने से विकासशील देशों पर सबसे अधिक दबाव पड़ेगा। इन सबके बीच एशियाई देश चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर काफी निर्भर हैं। चिंता का विषय यह है कि इससे यदि आपूर्ति बाधित होती है तो रणनीतिक तेल भंडार का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। वैकल्पिक स्रोत तलाशना होगा, साथ ही ऊर्जा सुरक्षा को लेकर दीर्घकालिक नीतिगत बदलाव करने पड़ेंगे। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत होर्मुज को अंतरराष्ट्रीय स्ट्रेट माना जाता है। वैसे तो किसी भी देश को इसे पूरी तरह बंद करने का अधिकार नहीं है लेकिन वर्तमान हालात पर नजर डालें तो सुरक्षा कारणों से प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, जहाजों की तलाशी या रोक-टोक बढ़ सकती है तथा गलत आकलन से बड़ा सैन्य टकराव हो सकता है।

होर्मुज क्षेत्र केवल एक भौगोलिक मार्ग नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का संवेदनशील बिंदु है। यहां की अस्थिरता युद्ध को केवल सैन्य टकराव नहीं रहने देती, बल्कि उसे आर्थिक, कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर बहुआयामी संघर्ष में बदल देगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व वन्यजीव दिवस पर विशेष

पर्यावरण संतुलन के साथ स्वास्थ्य, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का आधार है वन्य जीवों का संरक्षण

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'औषधीय और सुगंधित पौधेः स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय मानव स्वास्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय आजीविका को बनाए रखने में इन पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है, साथ ही पर्यावास के विनाश, अत्यधिक कटाई और अन्य कारणों से इन पर बढ़ते दबावों को दर्शाता है।

जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं। समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुर्माना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सेफ फेस्टिवल

खूब खेलें होली पर रंगों से आंखों को सुरक्षित रखें, लापरवाही पड़ सकती है भारी

होली कलरफुल फेस्टिवल है और इस दिन हर किसी पर लाल, पीला, हरा गुलाल चढ़ा दिखाई देता है। लेकिन यह रंग आपकी आंखों के अंदर जाने पर नुकसान कर सकता है। इससे आई इंफेक्शन, कंजंक्टिवाइटिस और आंखों में जलन की समस्या हो सकती है। होली पर अपनी आंखों को सुरक्षित रखने के लिए आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिसमें चश्मा पहनना, आंखों को ना रगड़ना जैसी एहतियात शामिल है।

डॉक्टर्स का कहना है कि होली के बाद उनके पास आंखों की समस्या लेकर आने वाले मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है। आई स्पेशलिस्ट लोगों को होली पर प्रोटेक्टिव आई ग्लासेस पहनने की सलाह देते हैं । अगर आपकी आंखों में रंग चला जाए तो उन्हें रगड़ना या मसलना नहीं चाहिए, बल्कि साफ पानी से धोना चाहिए। ऐसी कुछ सावधानियां बरतकर रंगों के त्योहार का जमकर आनंद उठा सकते हैं।

सिंथेटिक रंगों में होते हैं केमिकल: बाजार में बिकने वाले सिंथेटिक रंगों में केमिकल्स मौजूद होते हैं। इन केमिकल्स के आंखों के अंदर जाने के बाद आंखों में जलन, एलर्जी, लालिमा और आई इंफेक्शन हो सकता है। इसलिए होली खेलते वक्त आंखों की सुरक्षा पर खास ध्यान देना महत्वपूर्ण है। रंगों के महीन कण आंखों की सेंसिटिव सतह को नुकसान पहुंचा सकते हैं। गुलाल और वॉटर कलर दोनों ही आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। खासकर तेज और गहरे रंग में सिंथेटिक पिगमेंट होता है, जो कॉर्निया को प्रभावित कर सकता है। कई बार देखा जाता है कि आंखों के अंदर रंग जाने पर लोग आंखों को मसलने लगते हैं। इससे समस्या बढ़ जाती है और आंखों में खरोंच तक आ सकती है। होली खेलते हुए आंखों के अंदर रंग जाना एक सामान्य दिक्कत है, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर आंखों में रंग चला जाए तो इसे रगड़ने से भी बचना चाहिए और तुरंत साफ पानी से धोना चाहिए।

आई सेफ्टी के लिए सलाह: होली खेलते हुए चश्मा पहनना केवल स्टाइल नहीं है, यह रंगों को भी आंखों में अंदर जाने से रोकता है। अगर आंख के अंदर रंग चला जाए तो रगड़ने से कॉर्निया पर खरोंच आ सकती है। आंखों के अंदर रंग जाने पर 10-15 मिनट तक साफ पानी से धीरे-धीरे आंख को धोना चाहिए।

होली के दिन लेंस की जगह चश्मा पहनना चाहिए। यह तरीका आंखों के लिए ज्यादा सुरक्षित है। सिंथेटिक कलर के मुकाबले हर्बल और ऑर्गेनिक रंग आंखों के लिए ज्यादा सुरक्षित होते हैं। अगर आंखों में तेज जलन, दर्द, धुंधलापन या लालिमा लगातार बनी हुई है तो तुरंत आई स्पेशलिस्ट से जांच करवाएं। बिना डॉक्टरी सलाह के घरेलू उपाय आजमाने से इंफेक्शन बढ़ सकता है। वयस्कों के मुकाबले बच्चों की आंखें अधिक सेंसिटिव होती हैं। इसलिए उन्हें सिंथेटिक रंगों से बिल्कुल दूर रखना चाहिए। साथ ही उन पर ध्यान रखें कि वो होली किस तरह मना रहे हैं। बुजुर्गों की आंखें कमजोर होती हैं और उन्हें पहले से आंख की कोई समस्या भी हो सकती है। ऐसे में उनकी आंखों में रंग जाने से तकलीफ बढ़ सकती है।

सुविचार

खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।
– स्वामी विवेकानंद

निशाना

कश्ती डुबा सके जो..!

दिनेश मालवीय 'अश्क'

हमको मिला कोई वर कल था न आज है।
कोई अपना गॉडफादर कल था न आज है।
'तैंतीस कोटि' जो हैं उनमें कोई भी लेकिन
मां बाप सा कोई पर कल था न आज है।
सम्मान के लिए जो करते जुगाड़ रहते
उनका कहीं भी आदर कल था न आज है।
दुनिया नचा रहा है दिखता न कौन है वो
यह राज़ तो उजागर कल था न आज है।
कश्ती डुबा सके जो ईमान और सच की
गहरा कोई भी सागर कल था न आज है।
दिल में डरा नहीं हो दुनिया में जो सभी से
ऐसा कोई सितमगर कल था न आज है।

डच पेरेंटिंग

नीदरलैंड्स के बच्चे दुनिया में सबसे खुशहाल ! क्या हम सफलता के नाम पर छीन रहे उनकी खुशी?

यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट्स एक चौंकाने वाला सच सामने रखती हैं। जहाँ दुनिया के सबसे अमीर और शक्तिशाली देशों के बच्चे तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहे हैं, वहीं नीदरलैंड्स के बच्चे लगातार दुनिया के सबसे खुशहाल बच्चे चुने जा रहे हैं। आखिर डच माता-पिता ऐसा क्या अलग कर रहे हैं? दरअसल हमारे यहाँ 'सफलता' का मतलब है क्लास में फर्स्ट आना। नीदरलैंड्स में सफलता का मतलब है एक बैलेंस?ड जीवन जीना। डच स्कूलों में 10 साल की उम्र तक बच्चों को कोई होमवर्क नहीं दिया जाता। वहां माना जाता है कि स्कूल के बाद का समय खेलने, परिवार के साथ रहने और खुद को पहचानने के लिए है। बेस्ट सेलर बुक ÒThe Happiest Kids in the World' के राइटर रिना मे अकोस्टा (Rina Mae Acosta) और मिशेल हचिंसन (Michele Hutchison) के अनुसार, डच लोगों के लिए कामयाबी का पैमाना हम से बिलकुल उलट है। जहाँ हम सोचते हैं कि बच्चा 'कामयाब' होगा तो 'खुश' रहेगा, वहीं नीदरलैंड्स के माता-पिता मानते हैं कि अगर बच्चा 'खुश' रहेगा, तभी वह 'कामयाब' बन पाएगा। अकोस्टा के अनुसार, वहां खुशी को सफलता का रास्ता माना जाता है, क्योंकि एक खुशहाल बच्चा ही खुद को बेहतर समझ पाता है, अंदर से मोटिवेटेड रहता है और समाज से जुड़ना सीखता है। उनके लिए सक्सेस का मतलब सिर्फ ऊंचे ओहदे नहीं, बल्कि एक आज़ाद और मानसिक रूप से मजबूत इंसान बनना है।

डच पेरेंटिंग का मूल मंत्र : डच समाज में वर्क-लाइफ बैलेंस सिर्फ कहने की बात नहीं है। वहां (पापा-डे) का चलन है, जहाँ पिता हफ्ते में एक दिन काम से छुट्टी लेकर सिर्फ बच्चों के साथ समय बिताते हैं। डच माता-पिता बच्चों पर हुक्म नहीं चलाते, बल्कि उनके साथ 'नेगोशिएट' करते हैं। इससे बच्चों में निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ता है. वहां के बच्चे ब्रांडेड कपड़ों या महंगे खिलौनों की जगह, साइकिल चलाने और मिट्टी में खेलने को तवज्जो देते हैं।

आजादी और आत्मनिर्भरता: नीदरलैंड्स की सड़कों पर आप छोटे बच्चों को खुद साइकिल चलाकर स्कूल जाते देख सकते हैं। डच पेरेंट्स 'हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग' (हर वक्त बच्चे के सिर पर मंडराना) में यकीन नहीं रखते। वे बच्चों को गिरने और खुद संभलने का मौका देते हैं। यही आज़ादी उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। हमें समझना होगा कि एक तनावग्रस्त बच्चा कभी भी एक खुशहाल वयस्क नहीं बन सकता। कामयाबी जरूरी है, लेकिन वह बचपन की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।

टेक्नो अपडेट

बिना मोबाइल नेटवर्क के 5G जैसी स्पीड, स्टारलिंक ने दिखाया भविष्य में कैसे चलेंगे स्मार्टफोन

स्मार्टफोन्स की दुनिया काफी हद तक बदल गई है। भविष्य में बदल जाएगा इन्हें चलाने का अंदाज। अभी हम परेशान होते हैं कि नेटवर्क नहीं आता। दूरदराज के इलाकों में कनेक्टिविटी एक बड़ी समस्या है। इसका उपाय एलन मस्क की स्टारलिंक कई साल से दे रही है सैटेलाइट इंटरनेट के रूप में। अब कंपनी ने इस सर्विस को अगले स्तर पर ले जाने की तैयारी कर ली है। उसने एक वीडियो दिखाया है जिसके अनुसार भविष्य में फोन को इंटरनेट से कनेक्ट करने के लिए मोबाइल टावर की जरूरत नहीं होगी। स्टारलिंक की किट भी नहीं लेनी होगी। अंतरिक्ष से सीधे फोन में कनेक्टिविटी मिलेगी और इसके लिए आपके स्मार्टफोन में बहुत अधिक बदलाव भी नहीं करने होंगे।

क्या है स्टारलिंक की योजना?: मौजूदा वक्त में स्टारलिंक, मोबाइल को सीधे सैटेलाइट से कनेक्ट करती है, लेकिन विस्तृत रूप से इसे सिर्फ मैसेज भेजने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। स्टारलिंक ने योजना बनाई है कि लोग अब मैसेज के साथ-साथ सैटेलाइट नेटवर्क के जरिए कॉल और वीडियो कॉल भी कर पाएं और इंटरनेट ब्राउजिंग हो सके। योजना को सफल बनाने के लिए स्पेसएक्स बड़ी संख्या में V2 सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष के लिए तैयार कर रही है। ये मौजूदा V1 जेनरेशन के सैटेलाइट्स की तुलना में 1 डेटा डेंसिटी के साथ 5G स्पीड देंगे।कंपनी ने अपनी सर्विस डायरेक्ट टू सेल का नाम बदलकर स्टारलिंक मोबाइल भी कर दिया है। कंपनी का दावा है कि नए सैटेलाइट्स से स्ट्रीमिंग करना, इंटरनेट ब्राउजिंग, हाई-स्पीड ऐप्स इस्तेमाल और वॉयस कॉल्स बहुत आसान हो जाएगी। बिलकुल ऐसा फील आएगा, जैसे आप जमीनी मोबाइल नेटवर्क से कनेक्ट हों। स्टारलिंक की तरफ से एक वीडियो शेयर किया गया है। यह स्टारलिंक की 'Direct-to-Cell' तकनीक को दिखाता है। वीडियो बताता है कि भविष्य में एक नॉर्मल स्मार्टफोन को भी अंतरिक्ष में मौजूद स्टारलिंक सैटेलाइट से कनेक्ट किया जा सकेगा और लोगों को किसी छतरी यानी डिश लगाने की जरूरत नहीं होगी।

दुर्गम इलाकों में भी कनेक्शन : स्टारलिंक मोबाइल के जरिए दुर्गम इलाकों में भी लोगों के गैजेट कनेक्ट रहेंगे। ऐसी जगह जहां मोबाइल टावर नहीं हैं वहां भी हाईस्पीड इंटरनेट चलाया जा सकेगा। वीडियो दिखाता है कि यूजर को कोई नया फोन लेने की जरूरत नहीं होगी। यह उनके मौजूदा फोन के साथ ही काम करेगा। आसान भाषा में कहें तो अंतरिक्ष में जो स्टारलिंक सैटेलाइट्स हैं वही आपके के लिए मोबाइल टावर बन जाएंगे। हालांकि स्टारलिंक को इस सर्विस को देने के लिए स्थानीय टेलिकॉम कंपनियों से हाथ मिलाना होगा। इसका फायदा यह होगा कि लोगों के फोन में 'नो सर्विस' जैसी कोई चीज नहीं दिखाई देगी। कंपनी पहले टेक्स्ट मैसेज से इस सर्विस की शुरुआत कर सकती है।

न्यूज विंडो

पहले युवती को गोली मारी, फिर खुद पर किया फायर, मिले दोनों के शव

नर्मदापुरम। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शोभापुर के पास स्थित ग्राम भटगांव में देर रात हुए डबल शूटआउट से इलाके में सनसनी फैल गई। घर की छत पर बने बाथरूम में एक युवक और युवती के शव मिलने से गांव में दहशत और सन्नाटा पसरा हुआ है। मृत युवती की पहचान रिंकी पुरवइया निवासी भटगांव के रूप में हुई है, जबकि युवक की पहचान अरुण पुरवइया निवासी ग्राम गोरा मचवाई, जिला रायसेन के रूप में बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक देर रात युवती से मिलने आया था। आशंका जताई जा रही है कि उसने पहले युवती को गोली मारी और बाद में स्वयं को गोली मार ली। हालांकि पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। मौके से एक बंदूक और खाली कारतूस भी बरामद हुए हैं। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और प्रेम प्रसंग, पारिवारिक विवाद सहित सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। एसपी साईं कृष्ण एस. थोटा ने बताया कि प्रथम दृष्टया गोली लगने से मौत प्रतीत हो रही है, लेकिन वास्तविक कारण जांच और एफएसएल रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा। घटना की गंभीरता को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। इस घटना से ग्रामीण गहरे सदमे में हैं। पुलिस गांव में लगातार गश्त कर स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

जोहद गुरोद पुल पर डंपर खराब मुख्य मार्ग पर थमा यातायात

गंजबासौदा। विदिशा अशोकनगर मुख्य मार्ग स्थित जोहद गुरोद पुल पर सोमवार को एक डंपर अचानक खराब होकर बीच पुल में ही खड़ा हो गया, जिससे बड़े वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। पहले से ही संकरे और जर्जर हालात में खड़े इस पुल पर वाहन फंसने से स्थिति और गंभीर हो गई। पुल की चौड़ाई कम होने और किनारों पर रेलिंग नहीं होने के कारण हर पल दुर्घटना का खतरा मंडराता रहता है। ऐसे में जब डंपर पुल में अटक गया तो चार पहिया वाहन चालकों को अत्यधिक सतर्कता के साथ वाहनों को निकालना पड़ा। जरा सी चूक बड़ी दुर्घटना में बदल सकती थी। डंपर के फंसने से भारी और मालवाहक वाहन पुल के दोनों ओर मैदान में खड़े कर दिए गए। वाहन चालक घंटों तक इंतजार करते रहे कि कब मार्ग सुचारु हो और वे आगे बढ़ सकें। यातायात बाधित होने से आमजन को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व ही दोपहर मेट्रो में इस पुल की जर्जर स्थिति और संभावित खतरे को लेकर समाचार प्रकाशित किया गया था। बावजूद इसके पुल की सुरक्षा को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल पुल पर रेलिंग निर्माण और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले ही व्यवस्था सुधारी जा सके।

महिला को दुष्कर्म कर तेजाब डालने की धमकी, आरोपी हिरासत में

धार। जिले के ग्राम धामनोद में एक महिला के साथ दुष्कर्म और तेजाब डालने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोपी ने कथित रूप से शादी का झांसा देकर महिला को बंधक बनाया और उसके साथ अत्याचार किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार महिला का आरोपी से कुछ महीनों पूर्व ही परिचय हुआ था। आरोप है कि 11 नवंबर 2025 को आरोपी महिला के घर पहुंचा और जबरदस्ती दुष्कर्म किया। इसके बाद वह लगातार धमकियां देकर महिला का शारीरिक शोषण करता रहा। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि आरोपी ने उसे तेजाब डालने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी और विरोध करने पर मारपीट भी की। पीड़िता के अनुसार 26 फरवरी की रात आरोपी फिर उसके घर पहुंचा और पैसों की मांग की। मना करने पर उसने मारपीट की और महिला को जबरन पकड़ने का प्रयास किया। महिला किसी तरह वहां से निकलकर घर पहुंची।अगले दिन आरोपी कथित रूप से महिला को जबरन अपने साथ ले गया और एक कमरे में बंद कर दिया। आरोप है कि शादी के लिए दबाव बनाने के दौरान उसने खुद को चोट पहुंचाकर महिला को धमकाया। बाद में अस्पताल ले जाने के दौरान महिला मौके का फायदा उठाकर वहां से सीधे थाने पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

मिलावट रोकने बासौदा, त्योंदा व पठारी में सघन जांच, खाद्य पदार्थों के लिए सैंपल

गंजबासौदा। कलेक्टर के निर्देशों के पालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, विदिशा की निरीक्षण टीम ने होली पर्व को देखते हुए मिलावटी खाद्य सामग्री की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से बासौदा शहर सहित त्योंदा और पठारी क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया।खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने होटल, बादाम शेक पार्लर एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर मिठाई, मैदा, बादाम शेक, आइसक्रीम, रिफाइंड सोयाबीन तेल, रोजा-इफ्तारी हेतु संग्रहित बूंदी एवं बेसन के नमूने लिए। सभी नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्यौहार के दौरान मिलावटखोरी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अभियान के दौरान व्यापारियों को शुद्ध एवं मानक अनुरूप खाद्य सामग्री विक्रय करने के निर्देश भी दिए गए।

बैंक खातों के जरिए संचालित साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा

फर्जी कंपनी बनाकर 23 करोड़ से ज्यादा की ठगी, दो गिरफ्तार; म्यूल खातों से ट्रांजेक्शन

विदिशा। दोपहर मेट्रो

जिले में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां तीन जालसाजों ने फर्जी कंपनी बनाकर आम लोगों के खातों से करीब 23 करोड़ 20 लाख रुपए की ठगी कर ली। इस मामले में पुलिस ने फिलहाल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार आरोपियों ने सितंबर 2025 में ट्यूनिटी वेंचर नाम से एक चालू खाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की वाणिज्य शाखा, सांची रोड विदिशा में खुलवाया। इसके बाद इस खाते के माध्यम से बड़े पैमाने पर संदिग्ध लेन-देन शुरू किया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने डेढ़ लाख से अधिक ट्रांजेक्शन किए, जिनमें 10 हजार से लेकर 50 लाख रुपए तक की रकम शामिल थी। इन ट्रांजेक्शनों के जरिए 23 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खाते में जमा कर तुरंत निकाल ली गई। बताया जा रहा है कि यह पूरा नेटवर्क म्यूल खातों के माध्यम से संचालित किया जा रहा था, जिनका उपयोग साइबर ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर करने के लिए किया गया। लगातार भारी ट्रांजेक्शन होने के बावजूद लंबे समय तक खाते पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई। जब देश के अलग-अलग राज्यों से शिकायतें आने लगीं, तब मामला गंभीर हुआ। करीब 25 से अधिक राज्यों की एसबीआई शाखाओं ने इस खाते को फ्रीज करने की कार्रवाई की।

बैंक अधिकारियों में मचा हड़कंप, थाने में की शिकायत

आखिरकार पटना, बिहार स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की शिकायत के बाद विदिशा की वाणिज्य शाखा ने खाते को सील कर दिया। हालांकि तब तक आरोपी 23 करोड़ 20 लाख रुपए निकाल चुके थे। खाते में अब भी लगभग 6 लाख रुपए शेष बताए जा रहे हैं। मामले की जानकारी मिलते ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों में हड़कंप मच गया और उन्होंने तत्काल विदिशा के कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक मुख्य आरोपी और एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। कोतवाली थाना पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा क्या बैंक स्तर पर लापरवाही हुई है। इतने बड़े स्तर पर हुए ट्रांजेक्शन और करोड़ों की निकासी ने बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस साइबर सेल की मदद से तकनीकी जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मामले ने आम नागरिकों के बीच चिंता बढ़ा दी है।

अशोकनगर में हाईवोल्टेज ड्रामा... राहुल गांधी से मुलाकात की जिद में टावर पर चढ़ा युवक

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के विक्रमपुर गांव में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने की मांग को लेकर करीब 150 फीट ऊंचे जियो मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक ने टावर के नीचे एक लिखित नोट चिपकाकर 34 घंटे के भीतर मुलाकात न होने पर कूदकर जान देने की चेतावनी दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया और घंटों की समझाइश के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया।

जानकारी के अनुसार खंगालपुर निवासी लक्ष्मीनारायण लोधी रविवार दोपहर करीब 2 बजे टावर पर चढ़ गया। वह अपने साथ तिरंगा झंडा भी ले गया था, जिसे उसने टावर के शीर्ष पर बांध दिया। टावर के नीचे चिपकाए गए नोट में युवक ने उल्लेख किया कि उसके परिवार के तीन सदस्य गंभीर रूप से बीमार हैं और वह अपनी समस्याओं के समाधान के लिए राहुल गांधी से मिलना चाहता है। उसने दावा किया कि उसके दादा स्वतंत्रता सेनानी थे और उनके परिवार के गांधी परिवार से

तीन पीढ़ियों से संबंध रहे हैं।

युवक ने नोट में यह भी लिखा कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के निधन के बाद से उनका संपर्क टूट गया। उसने कई बार राहुल गांधी और सोनिया गांधी से मिलने का प्रयास किया, लेकिन उसे अवसर नहीं मिला, जिससे वह मानसिक रूप से आहत और निराश है। इसी हताशा में उसने यह कदम उठाया।

घटना के दौरान गांव में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने पहले युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब वह नहीं माना तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने करीब चार घंटे तक लगातार समझाइश और बातचीत की। प्रशासन ने युवक को उसकी मांगों पर उचित माध्यम से विचार कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद वह शाम को सुरक्षित नीचे उतर आया। उल्लेखनीय है कि उसी दिन अशोकनगर जिले में मुख्यमंत्री मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला का कार्यक्रम भी था, जिसके चलते सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही सतर्क थी। ऐसे में यह घटना प्रशासन के लिए अतिरिक्त चिंता का विषय बन गई। फिलहाल पुलिस ने युवक को सुरक्षित नीचे उतारकर उससे पूछताछ की है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए कानून और संवाद का रास्ता अपनाएं, ताकि किसी की जान जोखिम में न पड़े।

बाइकों की टक्कर में चार घायल, एक को किया रेफर

सागर। दोपहर मेट्रो

शहर के तिली रोड पर देर शाम दो बाइक की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। घटना में बाइक सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें पहले प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल और बीएमसी में भर्ती कराया गया। इनमें से एक युवक की हालात गंभीर होने के चलते परिजन निजी अस्पताल ले गए। जानकारी के अनुसार उसे भोपाल रेफर कर दिया गया है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दोनों बाइक काफी तेज रफ्तार से टकराईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक का जबड़ा टूट गया और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। दरअसल 32 वर्षीय नावेद सिद्दीकी और 30 वर्षीय जावेद खान बस स्टैंड की ओर से धर्मश्री जाने के लिए तिली रोड पर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे बादल रैकवार और दुष्यंत की बाइक से उनकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज से हालत गंभीर होने पर भोपाल रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

खड़े क्रेन से टकराई कार, हादसे में 3 की मौत 2 गंभीर

बैतूल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। तेज रफ्तार वाहनों के अनियंत्रित होने से रोज रोज सड़क हादसे हो रहे हैं। सड़क हादसों में असमय लोगों की मौतें भी हो रही है। ताजा मामला बैतूल जिले का है जहां सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल है। खड़ी क्रेन से एक तेज रफ्तार कार टकरा गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, घटना इटारसी रोड बसंत पेट्रोल पम्प के पास देर रात 3 से 4 बजे के बीच की है, जहां खड़ी क्रेन से एक तेज रफ्तार कार टकरा गई। इस हादसे 3 लोगों की मौत हो गई और 2 लोग घायल है। घटना देर रात 3 से 4 बजे के बीच की बताई गई है। ये घटना इटारसी रोड पर स्थित कोतवाली थाना इलाके की है। कार सवार लोग कहां जा रहे थे ये जानकारी स्पष्ट नहीं हो पाई

है। मृतकों के शव को जिला अस्पताल के मरचूरी रूम में रखवा दिए गए हैं। पोस्टमार्टम के बाद इन्हें परिजन के सुपुर्द किया जाएगा। घायल युवकों को जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

साइबर फ्रॉड: 1.80 लाख रुपए वापस मिले, पीड़ित ने एसपी को कहा-धन्यवाद

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

साइबर फ्रॉड के मामले में नर्मदापुरम पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस और साइबर सेल की मेहनत से न केवल पीड़ित को 1.80 लाख रुपये वापस दिलाए, बल्कि दिल्ली से आरोपी को भी गिरफ्तार कर नर्मदापुरम लाया।पीड़ित के परिजन कुलदीप वर्मा ने एसपी साई कृष्णा थोटा से मिलकर पुलिस टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि साइबर फ्रॉड से बचें, अनजान लिंक या एपीके फाइल डाउनलोड न करें।

फरियादी प्रीति वर्मा (निवासी नर्मदापुरम, टीचर) को एक माह पहले अज्ञात कॉल आया। कॉलर ने खुद को बैंक कर्मी बताया और क्रेडिट कार्ड के आखिरी चार अंक बताए, जो सही थे। फिर क्रेडिट कार्ड अपडेट के बहाने ओटीपी मांगा और 1.80 लाख रुपये खाते से उड़ा लिए। जांच में बैंक ट्रांजेक्शन और तकनीकी साक्ष्यों से पुष्टि हुई कि पैसा दिल्ली निवासी सुरेंद्र उर्फ प्रेम कुमार के खाते में गया। देहात थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ पांडे, सहायक उपनिरीक्षक दीपक पाराशर, प्रवीण शर्मा, आरक्षक चेतन नरवरे और साइबर सेल के संदीप यदुवंशी, प्रशांत राजपूत, दीपेश सोलंकी की टीम ने दिल्ली पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया। कोर्ट में पेश कर वैधानिक कार्रवाई पूरी की गई। एसपी साई कृष्णा थोटा ने कहा यह बड़ी सफलता है। साइबर ठगों से बचने के लिए अनजान लिंक या एपीके न खोलें। ऐप सिर्फ गूगल प्ले स्टोर या आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड करें। शिकार हो जाएं तो तुरंत 1930 पर कॉल करें,

मेट्रो एंकर — पंच कल्याणक महोत्सव के अंतिम दिन भगवान आदिनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया

नौ रथों के साथ निकली विशाल गजरथ यात्रा, बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

पंच कल्याणक महोत्सव के अंतिम दिन भगवान आदिनाथ स्वामी का मोक्ष (निर्वाण) कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रातः आयोजन स्थल अयोध्या नगरी में कैलाश पर्वत की रचना की गई ,जिसमें जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी अपने कैवल्य ज्ञान अवस्था में विराजमान हुए और नित्य अभिषेक, शांतिधारा और पूजन के उपरांत नंदीश्वर द्वीप पूजन की गई। वही पूजन के साथ कैलाश पर्वत पर विराजमान भगवान आदिनाथ स्वामी के निर्वाण (मोक्ष) का अलौकिक दृश्य उपस्थित हजारों धर्मानुरागी बंधुओं को देखने को मिला। भगवान को मोक्ष की प्राप्ति के उपरांत सौधर्म इंद्र की आज्ञा से अग्नि कुमार इंद्र द्वारा भगवान के नख और केशों का विर्सजन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री विमल सागर महाराज एवं मुनि श्री अनंत सागर महाराज द्वारा मोक्ष कल्याणक विशेष प्रवचन सुनने का अवसर श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। मोक्ष कल्याणक पूजन के साथ विश्व शांति महायज्ञ , उपस्थित इंद्र

और इंद्राणी द्वारा किया गया।

तत्पश्चात विशाल रथयात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के प्रमुख सेवादल, महिला मंडल, बालिका मंडल अपनी अपनी प्रस्तुतियां देते नजर आए। फेरी में विशाल गजरथ पर सवार सौधर्म इंद्र सबसे आगे चल रहे थे, उसके पीछे

रजत रथ, विज्ञान रथ सहित कुल नौ रथ यात्रा में शामिल हुए। प्रत्येक रथ पर जिनेन्द्र भगवान की प्रतिमा विराजमान रहीं , जो कि ,चल समारोह को शोभायमान कर रहे थे। विशाल रथ यात्रा में नगर में विराजमान तीनों मुनिराजों का पावन सानिध्य भी प्राप्त हुआ। मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं रथ यात्रा , आयोजन को देखने नगर के अलावा आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या श्रद्धालु शामिल हुए।महोत्सव में प्रतिष्ठित होने वाली सभी जिन प्रतिमाओ को प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्म. विनय भैय्या के मार्गदर्शन में पूरी भक्ति, विनय, शुद्धि और श्रद्धा के साथ जिनालय में विराजमान किया गया।

वृंदावन की तर्ज पर 15 क्विंटल फूलों से सजाया आकर्षक बंगला

सागर। दोपहर मेट्रो

श्री देव गोपाल लाल मंदिर में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब मंदिर की स्थापना की 61वीं वर्षगांठ वृंदावन शैली के ब्रज उत्सव के रूप में धूमधाम से मनाई गई। यह पावन अवसर कान्हा के प्रति समर्पित गृहस्थ संत राम यादव काकाजी द्वारा 1965 में रखी गई नींव की याद दिलाता है, जहां हर वर्ष भक्त हजारों की संख्या में जुटकर राधा-कृष्ण की लीला का आनंद लेते हैं। इन्होंने ही 1965 में मंदिर की नींव रखी, तब से यह स्थान भक्ति का केंद्र बन चुका है। हर साल वृंदावन की तर्ज पर उत्सव आयोजित होता है। वृंदावन से आए कलाकारों ने लगभग 15 क्विंटल फूलों से आकर्षक फूल बंगला सजाया। अष्ट सखी झांकियां एवं कृष्ण-राधा की जीवंत झांकी ने भक्तों का मन मोह लिया। राधारमन दास महाराज (दंडी स्वामी) ने अष्ट सखियों का पूजन किया। भक्तों ने उन्हें गोद में उठाकर नृत्य किया, जिससे वातावरण राधे-राधे के जयकारों से गूंज उठा। राधे-राधे कीर्तन मंडल के गोपाल कृष्ण बंधु कृष्ण हरी और मनु यादव ने इशारों बुलाई गई रे बरसाने की छोरी से कार्यक्रम की शुरुआत की। गोधूलि बेला से आरंभ हुआ यह भक्ति संगीतमय महोत्सव आधी रात तक जारी रहा। भक्तों के कदम थिरकते रहे, हर कोई कृष्ण भक्ति में डूबा नजर आया। रात 12 बजे बांके बिहारी सरकार की आरती के साथ उत्सव का समापन हुआ।

परिसर में बन रहा दूसरा मंदिर

मंदिर की पोशाक एवं अन्नकूट सेवा केशवगंज वार्ड निवासी योगेश गुप्ता एवं उनके पुत्र प्रशांत गुप्ता ने भेंट की। परिसर में ही कान्हा का दूसरा मंदिर निर्माणाधीन है। इसकी नींव 9 मई 2025 को रखी गई। राम यादव ने अपना 1800 वर्ग फीट प्लॉट दान में दिया। कुल 8000 वर्ग फीट क्षेत्र में बन रहे इस मंदिर के लिए 40 लाख रुपए के डोम की घोषणा विधायक शैलेंद्र जैन ने की। 55 वर्ष पहले काका द्वारा शुरू की गई प्रभातफेरी आज उनके पुत्रों के राधे-राधे संकीर्तन मंडल ने पहचान बनाई है।

शराब के लिए युवक को पीट-पीटकर मार डाला, दोस्तों पर ही लगा हत्या का आरोप

भिंड। दोपहर मेट्रो

भिंड शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान लश्कर रोड निवासी ऑल मोहम्मद कुरैशी (46) के रूप में हुई है, जो महिला एवं बाल विकास विभाग में क्लर्क के पद पर पदस्थ थे। परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की तहकीकात शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक कुछ दोस्त समीर उर्फ ऑल मोहम्मद कुरैशी को शराब पार्टी के लिए रानी के ताल रोड स्थित छोटू के मकान पर ले गए थे। मोहल्ला वासियों के अनुसार पार्टी के दौरान शराब कम पड़ गई। मृतक अपने साथियों के साथ पास ही अवैध रूप से शराब बेचने वाले एक युवक के घर शराब लेने पहुंचा। इसी दौरान वहां किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया।बताया जाता है कि मारपीट के बाद साथी मौके से भाग गए और समीर को वहीं छोड़ दिया। गली में उसका शव पड़ा देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त कराई और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ और दोस्तों ने ही उसकी हत्या की है। मृतक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने दो से तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

लेन-देन को लेकर हुआ था विवाद

समीर की पत्नी ने आरोप लगाया है कि उनके पति का छोटू भारद्वाज से पूर्व में पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। उनका कहना है कि इसी विवाद के चलते पहले भी छोटू ने उनके पति को धोखा दिया था। पत्नी के अनुसार घटना के समय छोटू भारद्वाज उनके पति को घर से बुलाकर अपने साथ ले गया था, जिसके बाद उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीएम रिपोर्ट का इंतजार

इस मामले में टीआई ब्रजेंद्र सिंह सेंगर का कहना है कि शराब पार्टी में मारपीट हुई या नहीं, यह जांच का विषय है। मृतक के परिजनों की शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कुछ भी स्पष्ट कहना जल्दबाजी होगा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

आठ दिन में दूसरी वारदात से शहरवासियों में फैली दहशत

आधी रात घर में घुसे बदमाश, सास-बहू को बंधक बनाकर सोने की चेन लूटी, किया हमला

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

पांढुर्णा शहर में आपराधिक घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आठ दिन के भीतर दूसरी लूट की वारदात ने न केवल पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि आम नागरिकों में भी भय का माहौल बना दिया है। रविवार देर रात गणेश वार्ड में दो बदमाशों ने एक घर में घुसकर सास-बहू को बंधक बनाया और सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। विरोध करने पर बहू पर धारदार वस्तु से हमला भी किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 1:30 बजे की है। दो अज्ञात बदमाशों ने घर के मुख्य दरवाजे की कुंडी तोड़ी और अंदर प्रवेश कर गए। उस समय घर में संध्या सुरस्कर और उनकी बहू विदुला सिरस्कर मौजूद थीं। परिवार का बेटा राहुल किसी कार्य से गांव से बाहर गया हुआ था, जिसका फायदा उठाकर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। घर में घुसने के बाद आरोपियों ने अलमारी और कमरों की तलाशी ली। जब उन्हें मनमाफिक सामान नहीं मिला तो उन्होंने दोनों महिलाओं को डराकर एक स्थान पर बैठा दिया और बंधक बना लिया।

बताया जा रहा है कि जब बदमाशों ने विदुला के गले से सोने की चेन छीनने की कोशिश की तो उसने साहस दिखाते हुए शोर मचाया। इसी दौरान धक्का-मुक्की हुई और बदमाशों ने उस पर कई वार कर दिए। घटना से महिला घायल हो गई। हमले के बाद आरोपी ऊपरी मंजिल की ओर भागे और अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। महिलाओं के शोर मचाने पर आसपास के लोग जाग गए और तत्काल घर की ओर दौड़े, लेकिन तब तक आरोपी मौके से निकल चुके थे। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आसपास के क्षेत्रों में नाकेबंदी की गई और संदिग्धों की तलाश शुरू की गई। थाना प्रभारी अजय मरकाम ने बताया कि आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

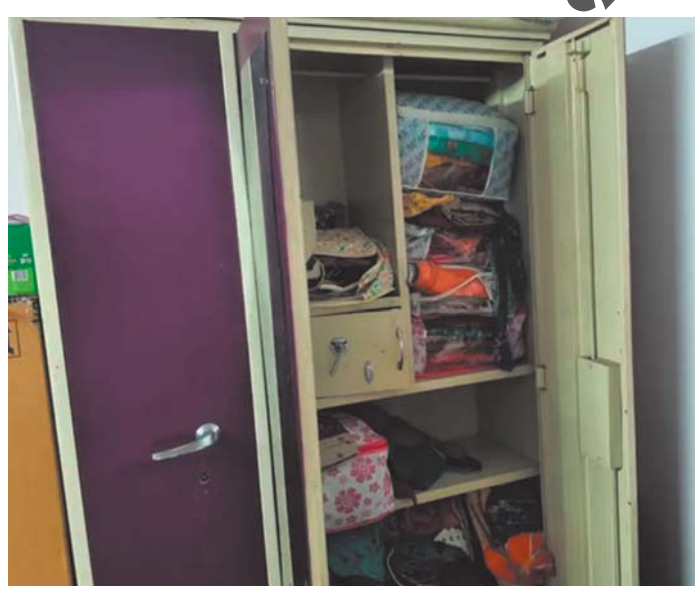

पहले भी हो चुकी हैं वारदातें

गौरतलब है कि 21 फरवरी की देर रात संतोषी माता वार्ड और सांई धाम कॉलोनी में तीन अलग-अलग मकानों को निशाना बनाया गया था। एक मामले में सुनील यदुवंशी को बंधक बनाकर लूटपाट की गई थी, जबकि दूसरे घर में घुसने का प्रयास किया गया था। इन घटनाओं के आठ दिन बाद भी आरोपियों का कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है।

रात्रि गश्त पर उठे सवाल

लगातार हो रही घटनाओं से शहरवासियों में रोष है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि पूर्व की घटनाओं का समय रहते खुलासा हो जाता तो संभवतः इस वारदात को रोका जा सकता था। लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच करने और वार्ड स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

भरोसा बहाल करना चुनौती

लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं ने आमजन के मन में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। अब देखना होगा कि पुलिस इन घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों तक कब पहुंचती है। शहरवासियों की निगाहें पुलिस कार्रवाई पर टिकी हैं, ताकि उनका भरोसा दोबारा कायम हो सके।

दुष्कर्म मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार, शादी का झांसा देकर महिला को दी थी जान से मारने की धमकी

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की धरमपुरी तहसील के ग्राम धामनोद में 36 वर्षीय महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीडिता को शादी करने का झांसा देकर कमरे में बंद कर घटना को अंजाम दिया था। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और पैसों की मांग करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। मामले की जांच में जुटी पुलिस टीम ने आरोपी सावन पिता बलवंत चौहान निवासी ग्राम नजरपुर जिला खरगोन को गिरफतार कर लिया हैं, अब आगामी पूछताछ पुलिस कर रही है।

धामनोद थाने पर 36 वर्षीय महिला ने बताया कि 11 नवंबर 2025 को आरोपी ने शादी करने का झांसा दिया व कमरे पर ले जाकर दुष्कर्म किया था। महिला शादी-शुदा हैं, इसके बावजूद आरोपी अपहरण कर जान से मारने की धमकी देकर परेशान करने लगा। दुष्कर्म की बात दूसरों को बताने के एवज में आरोपी ने मारपीट कर रुपयों की मांग भी की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। एसडीओपी मोनिका सिंह के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण ठाकरे के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों और संदिग्ध ठिकानों पर दबिश के बाद पुलिस ने आरोपी को धरदबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सावन पिता बलवंत सिंह चौहान निवासी ग्राम नजरपुर थाना मंडलेश्वर, जिला खरगोन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस त्वरित कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे के साथ उप निरीक्षक विजय वास्कले, प्रधान आरक्षक धीरज सिंह जादौन, आरक्षक इंद्रपाल लोधी और आरक्षक अशोक मुनिया की सराहनीय भूमिका रही।

सीएनजी कार में आग लगने से बाप-बेटा जिंदा जले

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

शहर में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां चलती सीएनजी कार में आग लगने से बाप-बेटा जिंदा जल गए। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई। दरअसल शहर के कुंडीपुरा थाना क्षेत्र में दोपहर को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक सीएनजी कार में अचानक आग लग गई। मौके पर मौजूद लोगों की मानें तो सड़क पर चल रहा था तभी चालक को नींद आ गई और वाहन सड़क के किनारे खड़ी गाड़ियों से जा घुसा। कार में सीएनजी किट लगे होने के कारण गाड़ी में आग लग गई और देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। कार में सवार बाप-बेटे दोनों आग की चपेट में आने से मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि, मार्ग पर रविवार की देर रात करीब 3 बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। नींद की झपकी आने से अनियंत्रित सीएनजी कार सड़क किनारे गैरेज में जा घुसी और आग का गोला बन गई। इस हृदय विदारक घटना में कार सवार पिता-पुत्र की जिंदा जलने से मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अरुण सिंह 22, अमृत सिंह 61 साल दोनों निवासी ग्राम दीघा वाणी परासिया है।

बताया जा रहा है कि, छिंदवाड़ा के परासिया में रहने वाले पिता बाप-बेटे उत्तर प्रदेश से आ रहे थे, तभी यह घटना हो गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि दोनों सवार समेत वाहन जलकर खाक हो चुका था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या सीएनजी गैस रिसाव माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक की मौत, बेटा गंभीर घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

देर शाम तेजगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत दिनारी गांव के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार शिक्षक की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। वह दसोदा मुकेश जैन पिपरिया की प्राथमिक शाला में पदस्त थे। जानकारी के अनुसार दिनारी निवासी 47 वर्षीय मुकेश जैन पिता जवाहरलाल जैन अपने 20 वर्षीय बेटे आयुष जैन के साथ दमोह आए थे। यहां वे अपने दूसरे बेटे अभिषेक जैन से मिलने पहुंचे थे। देर शाम दोनों बाइक से वापस अपने गांव दिनारी लौट रहे थे। जैसे ही वे दिनारी गांव के पास पहुंचे, तो सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि पिता-पुत्र सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों की मदद से दोनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने मुकेश जैन को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल आयुष जैन का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने पिकअप चालक राजा को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को जब्त कर लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। शिक्षक की असमय मौत से परिजनों कारो-रोकर बुरा हाल है इस संबंध तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद ठाकुर ने बताया कि घटना शनिवार की शाम की पिकअप वाहन को जब्त कर कार्रवाई की जा रही है।

मेट्रो एंकर होलिका दहन के लिए तत्काल लकड़ी इकट्ठी कर जलाई जाती है होलिका

159 सालों से वार्ड 5 में जलाई जाती हैं सबसे पुरानी होली

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

होली के त्यौहार बाजार में भारी भीड़ रही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने रंग गुलाल के साथ बच्चों को पिचकारियों की जमकर खरीदारी की। इसके बाद होलिका दहन के बाद से ही गुलाल लगाकर होली की खुशियां बांटने का दौर चालू हो गया था। गुलाल का तिलक लगाकर लोगों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं देते हैं ये सिलसिला रंग पंचमी के बाद तक चलता है। लेकिन होलिका दहन की पुरानी परम्परा अब धीरे धीरे समाप्त होती जा रही है। गांव से बसाहट से जलने वाली होली अब परंपरा को जीवित रखने के लिए छोटे रूप में जलाई जाती है।

ज्ञात हो कि नगर में पुराने दो स्थानों पर होलिका दहन धूमधाम से किया जाता था। लगभग 21 वर्ष पूर्व में सभी मोहल्ले के लोग होली की लकड़ी और कंडा घर-घर जाकर मांगते थे जिससे लकड़ी की अधिक संख्या होने से विशाल रूप मे होली जलाई जाती थी। परंतु अब नगर की सबसे पुरानी होली वार्ड क्रमांक 5 में तुरंत के तुरंत थोड़ी बहुत लकड़ी इकट्ठा करके जलाई जाती है। इसके अलावा पुरानी होली तारादेही चैराहे की होली जलना बंद हो गई है, अब सिर्फ नए लोगों के द्वारा कुछ स्थानों पर होली जलाई जा रही है। जिसमें नगर की सबसे पुरानी होली वार्ड 5 की होली जब से तेंदूखेड़ा गांव को लगभग 159 वर्ष से अधिक समय पहले वसाया गया था। उसी समय से गांव के गणमान्य नागरिक पट्टीदार के वंशजों के द्वारा सामूहिक होली जलाने की परम्परा रखी गई थी। लेकिन अब होलिका दहन मे लोगों के अन्दर कम उत्साह एवं व्यक्तिगत समस्याएं होने के कारण होली जलाने की परम्परा कम होती जा रही है। वार्ड पॉच के निवासी गोपाल सिंह, तुलसी राम, मेमार दादा ने बताया कि पहले होली के लिए लकड़ियां पर्याप्त मात्रा में मिल जाती थी और सबसे बड़ी होली होती थी परंतु अब लकड़ी और जगह की समस्या होने के कारण होली जलाने की परंपरा को जीवित रखने के लिए छोटे रूप में ही जलाते हैं। तारादेही चैराहे पर पिछले लगभग 45 वर्षों से होली जलाई जाती थी परंतु अब 13 वर्षों से नहीं जलाई जा रही।

इसके अलावा नगर में लगभग 21 स्थानों पर होलिका दहन किया गया। सबसे पहले पंचवटी सिद्ध धाम में शाम 5.25 बजे होलिका दहन किया गया। पंडित भरत अवस्थी ने बताया कि शाम 5.30 बजे भद्राकाल लग जाएंगा जिसमें होलिका दहन नहीं किया जाता भद्रा काल रात्रि 1.32 तक रहेगा उसके बाद होलिका दहन किया जाएंगा। पंचवटी में सभी लोगों ने विधी विधान के साथ पूजन कर होलिका दहन किया एवं एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी।

टी-20 विश्व कप का बुखार

दिग्गज दे रहे अपनी-अपनी राय

नई दिल्ली। इन दिनों भारत में खेले जा रहे टी-20 विश्वकप का बुखार खेलप्रेमियों में चढ़ा हुआ है। हर तरफ क्रिकेट की चर्चा हो रही है। यह महासमर अब अंतिम कगार पर है, क्योंकि लीग व सुपर-8 के मुकाबले समाप्त हो गए हैं, और 4 व 5 मार्च को खेले जाने वाले सेमीफाइनल व फाइनल के मुकाबले बाकी हैं। सेमीफाइनल की चारों टीमें सामने आ चुकी हैं, जिसमें पहला सेमीफाइनल 4 मार्च को दक्षिण अफ्रीका व न्यूजीलैंड के मध्य कोलकाता में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 5 मार्च को मेजबान भारत व इंग्लैंड के मध्य मुंबई में शाम 7 बजे से होगा। ऐसे में क्रिकेट के दिग्गजों व पूर्व क्रिकेटरों द्वारा लगातार अपने-अपने विचार प्रगट किए जा रहे हैं। आइए जानते हैं किसने क्या कहा।

अंतरात्मा की आवाज सुनी: सैमसन

कोलकाता। भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपने फोन और सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिए ताकि खराब फॉर्म के दौर में भी उनका आत्मविश्वास न डगमगाए और आखिर में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 विश्व कप के करो या मरो मैच में मैच विजेता पारी खेलकर लय हासिल कर ली। सैमसन ने रविवार को यहां खेले गए सुपर आठ के मैच में 50 गेंदों में 97 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। सुपर आठ के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भारत की करारी हार के बाद इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को सलामी बल्लेबाजी के रूप में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। सैमसन ने कहा, मैंने अपने शॉट चयन पर लगातार काम किया। मैं बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि मैंने उसी तरह से खेलते हुए पहले अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा, अपना फोन बंद कर दिया, सोशल मीडिया से दूर रहा और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी।

जीत के जश्न में सैमसन से हुई बड़ी गलती, आईसीसी लेगा एक्शन?

कोलकाता। भारत को टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचाने वाले स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की मुश्किल में फंस सकते हैं। सुपर-8 मुकाबले में रविवार को उनसे ऐसी गलती हो गई जिस पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कार्रवाई कर सकता है। बता दें कि, भारत और वेस्टइंडीज के बीच कोलकाता में अहम मुकाबला खेला गया। इस दौरान सैमसन ने 97 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम इंडिया को पांच विकेट से जीत दिलाई और टीम को सेमीफाइनल का टिकट दिलवाया।इस मुकाबले में संजू सैमसन का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने पहले महज 26 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए 12 चौके और चार छक्के की मदद से 97 रनों की नाबाद पारी खेली। इस मैच में उनका स्ट्राइक रेट 194 का रहा। सैमसन ने टीम इंडिया के लिए विजयी चौका लगाया। इस दौरान उनसे एक गलती हो गई।

गांगुली ने सैमसन को नियमित करने का समर्थन किया

कोलकाता। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को संजू सैमसन को भारत की सफेद गेंद की टीमों में नियमित रूप से शामिल किए जाने का समर्थन किया और टी-20 विश्व कप से पहले इस आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज की आलोचना पर हैरानी व्यक्त की। संजू की पारी को एक शानदार पारी बताते हुए गांगुली ने कहा, वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। उसे सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत के लिए लगातार खेलना चाहिए, शत प्रतिशत। उन्होंने कहा, यह मुकाबला लगभग क्वार्टर फाइनल जैसा था और 97 रन पर नाबाद रहना उसके कौशल को दिखाता है। वह इस तरह का खिलाड़ी है। जब वह मैदान में उतरता है तो विरोधी टीम को नुकसान पहुंचाता है। सैमसन ने यह पारी उस दिन खेली जब भारत के मुख्य बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, कप्तान सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या सस्ते में आउट हो गए।

सभी चाहते थे कि संजू अच्छा प्रदर्शन करे: सुनील गावस्कर

नयी दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का कहना है कि संजू सैमसन इतने अच्छे इंसान हैं कि हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 विश्व कप में खेली गई उनकी निर्णायक पारी ने उनके प्रशंसकों पर से भी दबाव कम कर दिया होगा। गावस्कर ने कहा, 97 रन की इस नाबाद पारी ने न सिर्फ संजू सैमसन पर से बड़ा बोझ हटा दिया है बल्कि उन लोगों पर से भी बोझ उतार दिया है जो जानते हैं कि वह कितने बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं।

क्रिकेट एक टीम गेम है-गंभीर

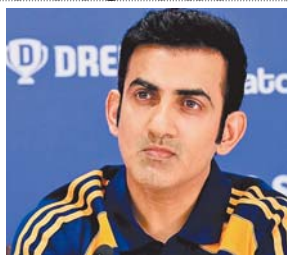

कोलकाता। गौतम गंभीर का मानना है की टीम गेम में प्रत्येक खिलाड़ी का छोटा या बड़ा योगदान महत्वपूर्ण होता है लेकिन भारतीय क्रिकेट में लंबे समय से इसका अभाव रहा है। भारत के मुख्य कोच ने कहा कि अगर शिवम दुबे ने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 विश्व कप के मैच में 19वें ओवर दो चौके नहीं लगाए होते तो संजू सैमसन की 97 रन की मैच विजेता पारी की कोई बात नहीं कर रहा होता। गंभीर ने कहा कि जब तक वह कोच हैं, प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान का पूरे सम्मान के साथ उल्लेख किया जाएगा। गंभीर ने कहा, मुझे खुशी है कि आप सभी के योगदान के बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि कई वर्षों से हम केवल कुछ विशेष योगदानों के बारे में ही बात करते रहे हैं। यह एक टीम गेम है और यह हमेशा टीम गेम ही रहेगा। उन्होंने कहा, मेरे लिए शिवम के दो चौके भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने संजू के 97 रन, क्योंकि अगर उसने वे दो चौके नहीं लगाए होते तो आप संजू के 97 रन की पारी के बारे में बात भी नहीं करते।

दक्षिण अफ्रीका विश्व कप जीतने के लिए दृढ़ संकल्प : बावुमा

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट और वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा ने टीम को मौजूदा टी-20 विश्व कप का मजबूत दावेदार करार देते हुए कहा कि उसने अपनी सभी खामियों को दूर किया है और उसके पास हर विभाग में मैच का पासा पलटने वाले खिलाड़ी मौजूद हैं। पिछले टी-20 विश्व कप की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका मौजूदा प्रतियोगिता में सुपर आठ चरण तक अजेय रहने वाली इकलौती टीम है। बावुमा ने टीम की बागडोर संभाल रहे एडेन मारक्रम, मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर और तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की तारीफ की। मैं इस विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के प्रदर्शन से काफी रोमांचित हूं। टीम खेल के हर पहलू में काफी मजबूत है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कोई कमी नहीं है और खिलाड़ी खिताब जीतने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। दक्षिण अफ्रीका के सामने चार मार्च को कोलकाता में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड की चुनौती होगी। बावुमा का मानना है कि टीम को अहमदाबाद और दिल्ली में खेलने के बाद नये शहर की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना होगा। उन्होंने कहा, टीम की अगली चुनौती सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड का सामना करना है। यह मैच कोलकाता में होगा और टीम को वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना होगा।

योगेश कथुनिया: माता-पिता डॉक्टर बनाना चाहते थे, बेटे ने डिस्कस थ्रो में जीता पदक

नई दिल्ली। *योगेश कथुनिया देश के एक प्रसिद्ध पैराएथलीट हैं। उनके माता-पिता चाहते थे कि वह डॉक्टर बनें, लेकिन योगेश ने खेल के क्षेत्र में बड़ा नाम कमाया है और देश को पैरालंपिक में रजत पदक दिलाया है।*

डिस्कस थ्रोअर के खिलाड़ी योगेश कथुनिया का जन्म 3 मार्च 1997 को बहादुरगढ़, हरियाणा में हुआ था। योगेश के माता-पिता चाहते थे कि वह डॉक्टर बने, लेकिन 9 साल की उम्र में पता चला कि उन्हें गुइलेन-बैरे सिंड्रोम नामक खतरनाक बीमारी है। यह न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है। इससे शरीर की गति प्रभावित होती है और मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो पाता। योगेश के साथ भी ऐसा ही था, लेकिन फिजियोथेरेपी की मदद से वह बैसाखी के सहारे खड़े हुए। इसमें उनकी मां मीना देवी का अहम योगदान रहा।

योगेश कथुनिया की रुचि खेल में थी। 2016 में, किरोड़ीमल कॉलेज में छात्र संघ के महासचिव सचिन यादव ने उन्हें पैरा एथलीटों के वीडियो दिखाकर खेलों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जिसके बाद कथुनिया ने पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा। 2018 में, उन्होंने बर्लिन में 2018 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स यूरोपियन चैंपियनशिप में एफ36 कैटेगरी में 45.18 मीटर तक डिस्कस थ्रो करके विश्व रिकॉर्ड बनाया। कथुनिया ने 2020 समर पैरालिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और डिस्कस थ्रो एफ56 इवेंट में रजत पदक जीता। नवंबर 2021 में, भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कथुनिया को 2020 समर पैरालिंपिक में उनके रजत पदक के लिए अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया।

टीम के खराब प्रदर्शन से पीसीबी नाराज, बोला- हारने की सजा मिलनी चाहिए

वर्ल्डकप टीम के प्लेयर्स पर ठोका 50-50 लाख जुर्माना

कराची, एजेंसी

पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, यह फैसला भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज हार और सुपर-8 में इंग्लैंड से मिली शिकस्त के बाद लिया गया। हालांकि, टीम ने श्रीलंका के खिलाफ करीबी जीत दर्ज की, लेकिन वह सेमीफाइनल की राह नहीं खोल सकी। बताया जा रहा है कि बोर्ड के अधिकारी टीम के प्रदर्शन से बेहद नाराज थे और लगातार आईसीसी टूर्नामेंट्स में असफलता को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, %आपको दो साल में एक मौका मिलता है कि अपने देश के क्रिकेट की छाप

छोड़ सकें और आप फिर असफल हो जाते हैं। यह देखना बेहद निराशाजनक है।% उन्होंने आगे कहा कि टी20 अब बेहद योजनाबद्ध प्रारूप बन चुका है और पाकिस्तान के खिलाड़ी बाकी टीमों के स्तर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने भी चयन नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, कुछ खिलाड़ियों को खुद को साबित करने के लिए बहुत ज्यादा मौके दिए गए, लेकिन वे बड़े टूर्नामेंट में प्रदर्शन नहीं कर पाए। अब आगे बढ़ने और गलतियों से सीखने का समय है। वहीं मोईन खान ने स्पष्ट शब्दों में कहा, जब तक आप ऊंची रैंकिंग वाली टीमों को हराने की क्षमता नहीं रखते, तब तक आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सकते। चयन और मैदान दोनों जगह हमने बहुत गलतियां कीं।%

कप्तानी और सीनियर खिलाड़ियों पर सवाल

पूर्व कप्तान बाबर आजम, मौजूदा कप्तान सलमान अली आगा, और सीनियर खिलाड़ी जैसे शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद नवाज कड़ी आलोचना झेल रहे हैं। खबर है कि अगा कप्तानी छोड़ सकते हैं। पूर्व कोच सकलैन मुश्ताक भी विवादों में हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने दामाद शादाब खान के प्रदर्शन का बचाव करते हुए मुख्य कोच माइक हेसन पर ठीकरा फोड़ा। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट का अंत जीत के साथ किया, लेकिन पूरे अभियान ने देश के क्रिकेट माहौल को मायूस कर दिया। सवाल उठ रहा है कि क्या सिर्फ जुर्माना लगाने से टीम की समस्याएं हल होंगी, या अब चयन, रणनीति और नेतृत्व में बड़े बदलाव की जरूरत है?

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

जंग के बीच यूएई में फंसी ईशा गुप्ता बोलीं

बस घर जाना चाहती हूं, बताया कैसे हैं हालात, यूएई सरकार का किया धन्यवाद

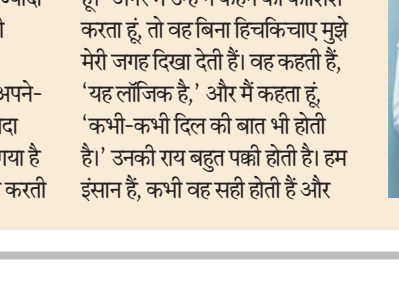

पूरी दुनिया में इस समय खौफ का मंजर है। मिडल ईस्ट में घमासान युद्ध छिड़ा हुआ है। अमेरिका-इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने मिसाइलों और ड्रोन्स से मिडल ईस्ट के लगभग हर बड़े शहर पर हमला किया। इस कारण से वहां कई इंडियन्स फंसे हुए हैं और जल्द अपने घर वापस आना चाहते हैं। कई सारे बॉलीवुड सेलेब्स इस समय दुबई या यूएई में हैं, जो सोशल मीडिया के जरिए अपडेट दे रहे हैं।

सोनल चौहान, तमिल स्टार अजित कुमार, ईशा गुप्ता समेत ये सितारे यूएई में फंसे हुए हैं। वो अपने घर इंडिया वापस आना चाहते हैं। लेकिन फ्लाइट्स ना चलने की वजह से उन्हें जंग के बीच ही रहना पड़ रहा है। ऐसे में फैंस उनके लिए चिंतित हैं। मगर सोनल और ईशा लगातार सोशल मीडिया के जरिए ये बता रही हैं कि वो सुरक्षित हैं। लोकल ऑफिशियल्स उनके जैसे हजारों फंसे हुए लोगों की लगातार मदद कर रहे हैं। ईशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यूएई सरकार का धन्यवाद करते हुए लिखा, यूएई सरकार ने कमाल का काम किया है। एयरपोर्ट पर फंसे हर इंसान की पूरी देखभाल की - खाना देने से लेकर एयरपोर्ट से होटल तक ट्रांसफर और होटल में ठहरने की व्यवस्था तक। अबु धाबी में हालातों को कितनी अच्छे से संभाला गया है, ये दिखाता है कि देश कितना ताकतवर है और कितनी शांति से सबको सुरक्षित रखा जा रहा है। खास तारीफ यूएई के मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस की।

ईशा गुप्ता ने की यूएई सरकार की तारीफ

ईशा के अलावा सोनल चौहान ने भी अपने सुरक्षित होने की जानकारी दी थी। पीएम मोदी को ट्वीट करने के बाद, उन्हें कई सारे कॉल्स और मैसेज आए, जिसपर एक्ट्रेस ने कहा कि वो सुरक्षित हैं मगर जल्द इंडिया वापस जाना चाहती हैं। हालांकि फ्लाइट्स कब वापस उड़ना शुरू होंगी और कब सबकुछ दोबारा नॉर्मल होगा, ये फिलहाल कोई नहीं जानता। अमेरिका-इजरायल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इस खबर से इंडिया समेत हर तरफ जैसे शोक की लहर सी दौड़ गई थी।

ट्रंप का नया व्यापार प्लान, भारत समेत कई देशों के साथ नए ट्रेड फ्रेमवर्क की घोषणा

मेट्रो बाजार

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 2026 का व्यापार नीति एजेंडा पेश किया, जिसमें कहा गया, अमेरिका वापस आ गया है। एजेंडे में टैरिफ को और गहरा करने, व्यापार कानूनों को सख्ती से लागू करने तथा प्रमुख समझौतों पर फिर से बातचीत करने का वादा किया गया। 2026 के एजेंडे में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस समय मानव इतिहास का सबसे बड़ा व्यापार घाटा चल रहा है। हाइपर-ग्लोबलाइजेशन के दौर में 50 लाख मैन्युफैक्चरिंग नौकरियां विदेश चली गईं और 70 हजार से अधिक कारखाने बंद हो गए। इसमें कहा गया है कि वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार घाटा 2020 से बाइडेन प्रशासन के अंत तक 40 प्रतिशत बढ़ गया। व्यापार को आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्र बताते हुए एजेंडे में कहा गया कि संयुक्त राज्य को उसी का अधिक उत्पादन करना चाहिए जिसका वह उपभोग करता है। कहा गया कि मैन्युफैक्चरिंग, कृषि और उनसे संबंधित सेवाओं में उत्पादन से अधिक वेतन, अधिक नवाचार और अधिक राष्ट्रीय सुरक्षा मिलती है। प्रशासन ने अपने टैरिफ-आधारित दृष्टिकोण को शुरुआती सफलता का श्रेय दिया है। उसके अनुसार, अप्रैल 2025 से दिसंबर तक हर महीने वस्तुओं का व्यापार घाटा साल-दर-साल घटा है। चीन के साथ व्यापार घाटा 2025 में 32 प्रतिशत कम हुआ और वर्ष 2000 के बाद पहली बार चीन वह व्यापारिक साझेदार नहीं रहा, जिसके साथ अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार घाटा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 27 में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली। भारत की जीडीपी की वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 7.2 प्रतिशत और वित्त वर्ष 26 में 7.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। एचडीएफसी बैंक की रिपोर्ट में कहा गया कि नए जीडीपी बेस ईयर 2022-23 ने भारत के इस वित्त वर्ष में मजबूत प्रदर्शन की पुष्टि की है। साथ ही, चौथी तिमाही के हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स से मिल रहे मजबूत संकेतों के कारण आने वाले समय में भी विकास दर का अनुमान बढ़ने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि वित्त वर्ष 27 में नॉमिनल वृद्धि दर 10.5 से 11 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। देश में निजी खपत तेजी से बढ़ रही है और वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में इसमें 8.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 25 में यह दर 5.8 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया, ÷जीडीपी आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025 में उपभोक्ता खर्च की 40 प्रतिशत वस्तुओं (जैसे कपड़े, जूते, फर्नीचर, घरेलू उपकरण आदि) पर खर्च में कमजोरी देखी गई, जबकि भोजन, आवास, उपयोगिताएं और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक वस्तुओं पर खर्च में वृद्धि जारी रही।÷ रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत में वृद्धि धीमी रही, लेकिन हाल की तिमाहियों में इसमें कुछ सुधार हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, खपत में सुधार और क्षमता उपयोग दर में वृद्धि के साथ, वित्त वर्ष 2027 में निवेश में और अधिक तेजी आने की उम्मीद है।

करण कुंद्रा ने तेजस्वी से रिश्ते पर बयां किया हाल-ए-दिल, बोले- पार्टनर सही हो तो भटकने की गुंजाइश नहीं रहती

एक्टर करण कुंद्रा की जिंदगी में उनकी खास दोस्त तेजस्वी प्रकाश बेहद मायने रखती हैं। करण ने बताया कि तेजस्वी उन्हें हमेशा जमीन से जोड़े रखती हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें उनकी जगह भी दिखा देती हैं। तेजस्वी की वजह से रिश्ते में लॉजिक और दिल का बैलेंस है। करण ने अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। करण ने बताया कि तेजस्वी और उनका रिश्ता अब चार साल से ज्यादा पुराना हो चुका है और यह काफी मजबूत और समझदारी भरा है।

करण ने कहा, हम दोनों के अपने-अपने लक्ष्य हैं। चार साल से ज्यादा साथ रहने के बाद हमें पता चल गया है कि कुछ काम वह बहुत अच्छे से करती हैं और कुछ मैं बेहतर करता हूं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, कभी-कभी मैं चीजों को लेकर थोड़ा ज्यादा भावुक हो जाता हूं, लेकिन तेजस्वी कहती हैं, 'सुनो, यह काम मैं बेहतर कर सकती हूं।' अगर मैं उन्हें न कहने की कोशिश करता हूं, तो वह बिना हिचकिचाए मुझे मेरी जगह दिखा देती हैं। वह कहती हैं, 'यह लॉजिक है,' और मैं कहता हूं, 'कभी-कभी दिल की बात भी होती है।' उनकी राय बहुत पक्की होती है। हम इंसान हैं, कभी वह सही होती हैं और कभी मैं। खास बात है कि ज्यादातर बार तो वह ही सही होती हैं, लेकिन यही तो रिश्ते की असली खूबसूरती है। करण ने बताया कि जब जिंदगी में सही इंसान मिल जाता है, तो सब कुछ ठीक हो जाता है और कोई डिस्ट्रैक्शन नहीं रहता। उनका पूरा ध्यान बस उसी एक शख्स पर केंद्रित हो जाता है। उन्होंने बताया, जैसे ही मेरा काम खत्म होता है और पैक-अप हो जाता है, मेरा मन बस यही सोचता रहता है - तेजा कहां है? मुझे वहां जाना चाहिए?

मथुरा में चतुर्वेदी समाज ने निकाला होली डोला

मथुरा में चतुर्वेदी समाज का पारंपरिक होली डोला आज धूमधाम से निकाला गया। इस वर्ष भी डोला सामाजिक रीति-रिवाजों और ठाकुर जी के स्वरूप के अनुरूप पारंपरिक ढंग से संपन्न हुआ। डोले में समाज के लोग होली के पारंपरिक गीत गाते हुए शामिल हुए। टेसू के फूलों से बने रंग और अबीर-गुलाल से देशी-विदेशी मेहमानों का स्वागत किया गया। द्वारकाधीश मंदिर से होली गेट तक, होली गेट से कोतवाली रोड तक, भरतपुर गेट से चौक बाजार तक और चौक बाजार से विश्राम घाट तक अलग-अलग टीमें तैनात रहीं। जिससे पूरे मार्ग पर व्यवस्था सुचारु बनी रही।

■ यूएस-इजरायल और ईरान युद्ध का सीधा असर विमानन उद्योग पर भी

■ 700 से ज्यादा उड़ानें रद्द, यात्रियों को दी ट्रिप कैंसिल करने की सलाह

जंग की वजह से भारत में कई गुना बढ़ा विमानों का किराया

नई दिल्ली, एजेंसी

लंदन से मुंबई के लिए यूरोपियन एयरलाइन्स की डायरेक्ट फ्लाइट में एकतरफा इकॉनमी क्लास का किराया लगभग 2.9 लाख रुपये हो गया, जबकि उसी फ्लाइट में बिजनेस क्लास का किराया चौंका देने वाला 9 लाख रुपये हो गया। ऐसा यूएस-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से हुआ, जिसने पूरे गल्फ रीजन को अपनी चपेट में ले लिया है। आम तौर पर दोनों शहरों के बीच एक तरफ का इकॉनमी किराया 20,000 रुपये से 40,000 रुपये होता है, जबकि बिजनेस क्लास का किराया 1.2 लाख रुपये से 2.5 लाख रुपये होता है। एयर इंडिया और इंडिगो ने भी किराए में भारी बढ़ोतरी के साथ कुछ फ्लाइट्स चलाई। एयरलाइंस ने कहा कि किराए में बढ़ोतरी कुछ हद तक इसलिए हुई क्योंकि उन्हें गल्फ सेक्टर को बाइपास करने के लिए लंबे रूट लेने पड़े लेकिन ज्यादातर डिमांड-सप्लाई के अंतर की वजह से हुई, क्योंकि लड़ाई की वजह से रोजाना 700 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो रही थीं।

हालांकि, एतिहाद ने इवैक्युएशन फ्लाइट्स शुरू कर दी थीं और एमिरेट्स ने कहा था कि वह भी मंगलवार को ऐसा ही करेगी लेकिन एयरलाइन्स ने सोमवार और मंगलवार की शेड्यूल्ड फ्लाइट्स कैंसिल कर दीं।कोलकाता एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि गल्फ-बेस्ड कैरियर्स ने दो दिनों में 20 फ्लाइट्स कैंसिल करने की घोषणा की है।

इजरायल ने पहली बार किया 'आयरन बीम' का इस्तेमाल

ईरान की तरफ से हो रहे अटैक को रोकने के लिए इजरायल ने पहली बार आयरन बीम का इस्तेमाल किया। ये दो महीने पहले ही इजरायल डिफेंस फोर्सेस को मिला है। पिछले साल दिसंबर में इजरायल विजिट के दौरान एनबीटी रिपोर्टर ने वहां आयरन बीम देखा था। तब ये बनाने वाली इजरायल की कंपनी राफेल ने आयरन बीम दिखाया था। ये डायरेक्ट एनर्जी वेपन है और आयरन डोम में इंटीग्रेटेड किया गया है।आयरन बीम में दो टेलिस्कोप हैं, एक से लेजर बीम निकलती है और दूसरे से इसके परफॉर्मेंस पर नजर रखी जाती है।

जंग के बीच कांग्रेस का अपना राग

सरकार के साथ खड़े होने की बजाए कर रहे आलोचना

यूएस-इजरायल और ईरान महा युद्ध के बीच देश का विपक्ष लगातार सरकार पर निशाना साध रहा है। संभवतः यह पहला अवसर है जब विश्व स्तर पर हो रही इतनी बड़ी उठापटक के बीच विपक्ष सरकार के साथ खड़ा नजर नहीं आ रहा है। विपक्ष ने खामेनेई की हत्या की निंदा न करने की आलोचना की है। कांग्रेस ने सरकार की चुप्पी और अमेरिका और इजरायल की आलोचना करने से परहेज को नैतिक नेतृत्व का परित्याग बताया है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर सरकार की चुप्पी तटस्थता नहीं बल्कि कर्तव्यहीनता है। वही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खामेनेई की हत्या की निंदा की और कहा कि उनकी पार्टी इस बात को दोहराती है कि प्रत्येक राष्ट्र के नागरिकों को अपना राजनीतिक भविष्य तय करने का अविभाज्य अधिकार है।

न्यूज विंडो

केरल और तमिलनाडु में परिसीमन को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली। केरल और तमिलनाडु में जल्द चुनाव होने वाले हैं। अब राज्य में सियासी हलचल तेज हो रही है। इसी बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश भाजपा को निशाना बनाया। उन्होंने परिसीमन के मुद्दे को चर्चा के लिए सामने रखा है। उन्होंने तर्क दिया कि दक्षिणी राज्यों, जो प्रभावी रूप से अपनी आबादी को नियंत्रित करते हैं।

उनकोकम संसदीय सीटों के साथ दंडित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में केंद्रीय निधियों के वितरण में भेदभाव का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधित्व और वित्तीय न्याय दोनों ही आगामी केरल और तमिलनाडु चुनावों में भाजपा को घेरने के लिए उठाए जाने वाले प्रमुख मुद्दे होंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या केरल और तमिलनाडु में परिसीमन चुनाव प्रचार का मुद्दा बनने जा रहा है। तब उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सीटों की संख्या में कमी आएगी। 'यह चिंता का विषय है। अभी यह कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि जनगणना होनी बाकी है। अगले साल अप्रैल तक हमें जनगणना के व्यापक परिणाम पता चल जाएंगे। फिर निश्चित रूप से एक परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं होना चाहिए कि राज्यों को विशेषकर दक्षिण भारतीय राज्यों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के मामले में इतना जिम्मेदार और उत्तरदायी होने के लिए दंडित किया जाए।'

जारी की गई क्लिंटन दंपती से पूछताछ की रिकॉर्डिंग, कहा-हम बेकसूर

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक हाउस कमेटी ने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के बयान के वीडियो सार्वजनिक कर दिए हैं। यह बयान कुख्यात वित्त कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में लिए गए थे। एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के शोषण के गंभीर आरोप थे। कमेटी ने पिछले हफ्ते दो दिनों तक चली लंबी पूछताछ की रिकॉर्डिंग जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं से घंटों तक शपथ लेकर सवाल-जवाब किए गए। बिल क्लिंटन ने कहा कि उन्होंने एपस्टीन से अपना संबंध कई साल पहले ही खत्म कर लिया था, और यह सब 2008 में एपस्टीन के नाबालिग लड़की से देह व्यापार के मामले में दोषी ठहराए जाने से पहले की बात है। क्लिंटन ने समिति को बताया कि उन्होंने एपस्टीन से संबंध वर्षों पहले ही खत्म कर लिए थे, यानी 2008 में जब एपस्टीन ने नाबालिग लड़की से देह व्यापार कराने के मामले में दोष स्वीकार किया, उससे पहले ही। क्लिंटन ने कहा कि जब वह एपस्टीन के साथ थे, तब उन्हें कभी ऐसा नहीं लगा कि वह महिलाओं या लड़कियों की तस्करी में शामिल है।

अखिलेश-केशव आमने-सामने, डिप्टी सीएम बोले-

शंकराचार्य भगवान, सपा प्रमुख ढोंगी

लखनऊ, एजेंसी

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जगदुरू शंकराचार्य भगवान हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ढोंगी हैं। शंकराचार्य जहां भी जाएंगे हम रामभक्त होने के नाते उनका स्वागत करेंगे। हिंदू धर्म में शंकराचार्य का स्थान सर्वोच्च है। डिप्टी सीएम सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात कर रहे थे।उन्होंने कहा कि यूपी में कानून का राज है। किसी अपराधी या गो तस्कर की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह गोमाता की हत्या करे। गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। वह समस्त सृष्टि का पालन करती है इसलिए उन्हें किसी सरकारी दर्जे की आवश्यकता नहीं है, वे स्वतः पूज्यनीय हैं। कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास और सुशासन की जो लहर चल रही है उसके दम पर 2047 तक भाजपा सरकार बनी रहेगी। विपक्ष के गठबंधनों ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएंगे।

शंकराचार्य को समर्थन देना अखिलेश का राजनीतिक पैंतरा: उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा, सपा के शासनकाल में रामभक्तों और शिवभक्तों का दमन किया गया। गो तस्करों को संरक्षण मिला। अखिलेश का शंकराचार्य को समर्थन देना केवल

राजनीतिक पैंतरा है ताकि वे हिंदू मतदाताओं को भ्रमित कर सकें। जब भी सपा या कांग्रेस हिंदुत्व की बात करते हैं तो वह केवल वोट बैंक की खातिर किया गया एक राजनीतिक ढोंग होता है। सपा-कांग्रेस के नेताओं पर हिंदू विश्वास नहीं करते हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एसआईआर पर कहा है कि दिन-रात चौबीसो घंटे के दबाव के अलावा प्रदेश में बीएलओ पर गलत काम करने का दबाव भी है। पहले जो दबाव फार्म 7 से सही लोगों के नाम कटवाने का था, वैसा ही दबाव अब फार्म 6 के माध्यम से नये फर्जी नाम जोड़ने का है। ऐसा गलत काम करने के लिए अधिकतर बीएलओ का मन गवाही नहीं देता है, इसीलिए वो हताश होकर आत्महत्या जैसे प्राणघातक फैसले तक कर रहे हैं।

मानवता तार-तार: नाले में पड़ा नवजात का शव, कुत्तों ने नोचकर खाया

दरभंगा। दरभंगा स्थित DMCH परिसर में मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। बीती रात अस्पताल के न्यू सर्जिकल भवन के सामने स्थित नाले में एक नवजात का शव पड़ा मिला, जिसे आवारा कुत्ते नोच रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देर रात नाले के पास कुत्तों का झुंड मंडराता दिखा। लोगों ने पास जाकर देखा तो नवजात का शव खुले में पड़ा था और कुत्ते उसे नुकसान पहुंचा रहे थे। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन और बेंता थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम व अन्य कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अस्पताल परिसर में बायोमेडिकल वेस्ट का उचित निस्तारण नहीं होता। आशंका जताई जा रही है कि मृत नवजात को बायोवेस्ट के साथ फेंका गया होगा, जहां से कुत्ते उसे खींचकर नाले तक ले आए।

पोस्ट-बजट वेबिनार में बोले पीएम मोदी

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया को भारत से उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने 'आर्थिक विकास को सतत बनाए रखना और उसे मजबूत करना' विषय पर आयोजित पोस्ट-बजट वेबिनार को आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए उम्मीद की किरण बनी हुई है।

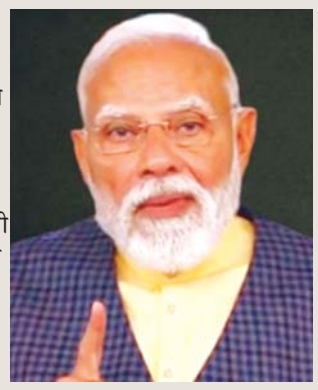

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं, ऐसे समय में भारत की तेज आर्थिक प्रगति विकसित भारत के लक्ष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश की दिशा और संकल्प दोनों स्पष्ट हैं। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने 'अधिक निर्माण करें, अधिक उत्पादन करें, अधिक कनेक्ट करें' पर जोर देकर कहा गया कि अब समय 'अधिक निर्यात' का है।

उत्पादों की गुणवत्ता से समझौता न किया जाए

मोदी ने कहा कि अब समय है कि भारत अनुसंधान में बड़े पैमाने पर निवेश करे और वैश्विक मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिससे अवसरों के नए द्वार खुले हैं। ऐसे में यह देश की जिम्मेदारी है कि उत्पादों की गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता न किया जाए।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर किसी एक क्षेत्र पर अधिकतम ऊर्जा, बुद्धिमत्ता और संसाधन केंद्रित करने हैं, तो वह गुणवत्ता होनी चाहिए। भारतीय उत्पाद न केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरें, बल्कि उन्हें पीछे भी छोड़ें।

पीएम ने उद्योग जगत से क्या कहा?

उन्होंने उद्योग जगत से अपील की कि वे अन्य देशों की जरूरतों और वहां के उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं का गहन अध्ययन करें। उन आवश्यकताओं को समझकर उपयोगकर्ता-अनुकूल उत्पाद विकसित किए जाएं, तभी मुक्त व्यापार समझौतों से मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों के साथ विकास का राजमार्ग तैयार है और अब भारतीय उद्योग को इस पर तेज गति से आगे बढ़ना है।

सिंधु जल संधि पर रोक पर बौखलाया पाकिस्तान, राष्ट्रपति जरदारी खौफ में, कहा-

पाक से एक और युद्ध की तैयारी कर रहा भारत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भारत पर एक और लड़ाई की तैयारी करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही भारत की सिंधु जल संधि पर रोक को हाइड्रो-टेररिज्म बताया। जरदारी ने कहा, 'भारतीय नेता कहते हैं कि वे एक और जंग की तैयारी कर रहे हैं। इलाके में शांति के हमेशा से सपोर्टर रहे होने के नाते मैं इसकी सलाह नहीं दूंगा।'

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी ने आगे कहा, 'इस्लामाबाद बातचीत के लिए तैयार है। मेरा भारत के लिए मैसेज है कि वे जंग के मैदान से हटकर मतलब वाली बातचीत की टेबल पर आएं, क्योंकि इलाके की सिक्योरिटी के लिए यही एकमात्र रास्ता है।'

जरदारी ने आगे कहा, पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के लोगों को डिप्लोमैटिक और मोरल सपोर्ट देना जारी रखेगा। पाक राष्ट्रपति ने कहा, 'जब तक कश्मीर का मुद्दा हल नहीं हो जाता, साउथ एशिया में शांति बने रहना मुश्किल है।'

जरदारी ने सिंधु जल संधि पर भारत के रोक के फैसले की आलोचना की। पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने इसे हाइड्रो-टेररिज्म बताया। जरदारी ने भारत के इस फैसले को पॉलिटिकल फायदे के लिए पानी के बहाव को हथियार बनाने का आरोप लगाया।

डिप्लोमैटिक तरीकों का इस्तेमाल किया

जरदारी ने यूनाइटेड नेशंस की एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें अफगानिस्तान में आतंकी समुदायों की मौजूदगी के बारे में चेतावनी दी गई थी। पाक राष्ट्रपति ने कहा, 'यह रिपोर्ट चेतावनी देती है कि अगर इस मुद्दे को नजरअंदाज किया गया तो कोई भी दूसरा देश एक और खतरनाक हमले का शिकार हो सकता है।' जरदारी ने बताया, पाकिस्तान ने बॉर्डर पार से आतंकी गतिविधियों पर मिलिट्री तनाव को रोकने के लिए डिप्लोमैटिक तरीकों का इस्तेमाल किया है।

मेट्रो एंकर भारत में 'ग्रस्तोदय' रूप में दिखाई देगा, दोपहर 3.20 पर शुरू होगा ग्रहण

साल का पहला चंद्र ग्रहण आज, देख सकेंगे ब्लड मून का नजारा

नई दिल्ली, एजेंसी

आज साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण लग रहा है। हिंदू धर्म में चंद्र ग्रहण को सिर्फ खगोलीय घटना नहीं, बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और उसकी छाया चंद्रमा पर पड़ती है, तब चंद्र ग्रहण होता है। इस दौरान चंद्रमा का रंग हल्का लाल या तांबे जैसा दिखाई देता है, इसलिए इसे 'ब्लड मून' भी कहा जाता है। भारत में यह ग्रहण 'ग्रस्तोदय' रूप में दिखाई देगा। यानी जब चंद्रमा उदय होगा, तब वह पहले से ग्रहण की अवस्था में रहेगा। इसलिए देश के अधिकांश हिस्सों में यह करीब 20 से 25 मिनट तक ही दिखाई देगा।

पंचांग के अनुसार, यह ग्रहण सिंह राशि और पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में लग रहा है। भारतीय समय के अनुसार

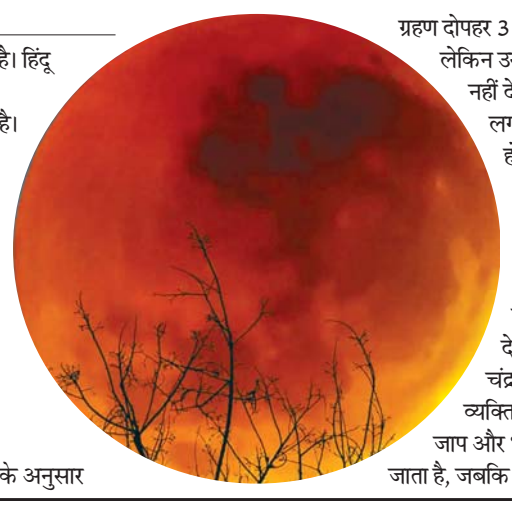

ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से शुरू होगा, लेकिन उस समय भारत में चंद्रमा दिखाई नहीं देगा। भारत में चंद्रमा का उदय शाम लगभग 6:26 से 6:32 बजे के बीच होगा और उसी समय ग्रहण का अंतिम चरण चल रहा होगा। ग्रहण करीब 6:46 से 6:47 बजे के बीच समाप्त हो जाएगा। यानी भारत में यह चंद्र ग्रहण केवल 15 से 20 मिनट के लिए ही दिखाई देगा।धार्मिक मान्यता के अनुसार, चंद्र ग्रहण का प्रभाव सभी राशियों और व्यक्तियों पर पड़ता है। ग्रहण के समय मंत्र जाप और भगवान का स्मरण करना शुभ माना जाता है, जबकि खाना बनाना, भोजन करना और शुभ कार्य शुरू करना वर्जित बताया गया है। ग्रहण से पहले सूतक काल भी लगता है, जिसे अशुभ समय माना जाता है। सूतक काल में विशेष सावधानी बरतने और भगवान का नाम लेने की सलाह दी जाती है।

धार्मिक दृष्टि से ग्रहण काल में कपड़े धोना, खाना बनाना, झाड़ू-पोंछा करना या मशीन, चाकू, कैंची जैसी चीजों का उपयोग करना वर्जित माना गया है। ऐसा माना जाता है कि ग्रहण का समय सामान्य कामों के लिए अनुकूल नहीं होता। बेहतर है कि सूतक शुरू होने से पहले ही जरूरी काम पूरे कर लें या सूतक काल के बाद इन कामों को पूरा करें।

राशियों के लिए शुभ रहेगा चंद्र ग्रहण

वृषभ, मिथुन और तुला राशि के जातकों के लिए यह ग्रहण सकारात्मक माना जा रहा है। इन लोगों के जीवन में बड़े बदलाव आ सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है और रुके हुए काम पूरे होने के संकेत हैं। पैसा, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बन रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564